नई दिल्ली ■ शनिवार 24 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 297 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान | 07 सरफराज ने 206 गेंदों में लगाया शानदार दोहरा शतक | नीलम कोठारी और समीर सोनी की शादी के 15 साल पूरे 08

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रमुक पर बोला हमला

पार्टी को 'सीएमसी' करार दिया

मदुरंतकम/चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) पर जोरदार हमला बोला और उसे 'सीएमसी' करार दिया। प्रधानमंत्री के अनुसार, सीएमसी का अर्थ है 'करप्शन, माफिया , क्राइम '।

मोदी ने राजग के घटक दलों - अन्नाद्रमुक, एएमएमके और पीएमके (अंबुमणि गुट) के कार्यकर्ताओं और

आम जनता की विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'द्रमुक 'सीएमसी' है यानी- भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध को बढ़ावा देने वाली सरकार। तमिलनाडु की जनता ने द्रमुक और 'सीएमसी' को जड़ से उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। राजग के प्रमुख घटक दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी सहित गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं ने इस रैली में भाग लिया। तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि राज्य में 'भ्रष्ट' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को विदाई देने का समय आ गया है।

थिरुप्पारनकुंड्रम के भगवान मुरुगन मंदिर में कार्तिकई दीपक जलाने के विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि जहां हमारे नेताओं ने भक्तों के अधिकारों का समर्थन किया, वहीं द्रमुक ने वोट बैंक की राजनीति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने अदालत का भी सहारा लिया।

मोदी ने आरोप लगाया कि वंशवाद, भ्रष्टाचार, महिलाओं का शोषण और हमारी संस्कृति का अपमान ही द्रविड़ पार्टी में किसी की तरक्की के रास्ते हैं। उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार का लोकतंत्र और जवाबदेही से कोई लेना-देना नहीं है और वह 'सिर्फ एक परिवार के लिए काम करती है।' मोदी ने कहा कि राज्य में एक बच्चा भी जानता है कि कितना भ्रष्टाचार हो रहा है और पैसा किसकी जेब में जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमें तमिलनाडु को द्रमुक के चंगुल से मुक्त कराना होगा। साथ ही उन्होंने राज्य में 'डबल इंजन' वाली सरकार की वकालत की जो तमिलनाडु के विकास और प्रगति के लिए केंद्र के साथ 'कंधे से कंधा मिलाकर चले।' उन्होंने कहा कि राज्य में अपराध और मादक पदार्थों की समस्या आम है।

केरल की रेल कनेक्टिविटी मजबूत, विकास परियोजनाएं नए अवसर पैदा करेंगी : मोदी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल में शुरू की गई विकास परियोजनाएं राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करेंगी, रेल कनेक्टिविटी को सशक्त बनाएंगी और आम लोगों के लिए नए अवसर सृजित करेंगी।

उन्होंने कहा कि ये पहलें केरल की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत हैं और 'विकसित भारत' के संकल्प को और मजबूत करती हैं। तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत, शहरी आजीविका से जुड़ी योजनाएं, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में निवेश तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार केरल को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तिरुवनंतपुरम दौरे के दौरान केरल को रेल कनेक्टिविटी, शहरी आजीविका, विज्ञान एवं नवाचार और स्वास्थ्य से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिली।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने तीन अमृत भारत एक्सप्रेस सहित कुल चार नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने कहा किकुछ ही देर पहले अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई है। ये ट्रेनें केरल के भीतर यात्रा को सुगम बनाएंगी और पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ देंगी।

भारत में FDI प्रवाह 73 प्रतिशत बढ़कर 47 अरब डॉलर: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि 2025 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह 73 प्रतिशत बढ़कर 47 अरब डॉलर हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र में बड़े निवेश के कारण हुई। इसे देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने के लिए बनाई गई नीतियों का समर्थन मिला।

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड) द्वारा जारी 'वैश्विक निवेश रुझान निगरानी' में कहा गया कि चीन में एफडीआई प्रवाह लगातार तीसरे वर्ष गिरा और समीक्षाधीन अवधि में आठ प्रतिशत की गिरावट के साथ अनुमानित 107.5 अरब डॉलर रह गया। अंकटाड ने कहा कि भारत में एफडीआई प्रवाह 73 प्रतिशत बढ़कर 47 अरब डॉलर हो गया, जिसका मुख्य कारण वित्त, आईटी और आरएंडडी (अनुसंधान एवं विकास) सहित सेवाओं और विनिर्माण में बड़े निवेश थे। इन्हें भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने के लिए बनाई गई नीतियों का समर्थन मिला। इसमें आगे कहा गया कि 2025 में वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अनुमानित 1600 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो 14 प्रतिशत की वृद्धि है। हालांकि, इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा कई प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्रों और निवेश केंद्रों (महत्वपूर्ण एफडीआई प्रवाह वाली अर्थव्यवस्थाओं) के जरिये उच्च प्रवाह के कारण था। इसने 140 अरब डॉलर से अधिक का योगदान दिया। उत्तरी अमेरिका में एफडीआई प्रवाह व्यापक रूप से स्थिर रहा। दुनिया के सबसे बड़े एफडीआई प्राप्तकर्ता अमेरिका ने दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। सीमा पार विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) गतिविधि 22 प्रतिशत घटकर 132 अरब डॉलर रह गई।

गणतंत्र दिवस : सुरक्षा के लिए AI स्मार्ट चश्मे और 30 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था के लिए 30,000 से अधिक पुलिसकर्मियों और अर्द्धसैनिक बलों की 70 से अधिक कंपनियों को तैनात किया जाएगा। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक सुरक्षा बल के जवान पहली बार कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से लैस स्मार्ट चश्मे का इस्तेमाल करेंगे जो चेहरे की पहचान प्रणाली (एफआरएस) और थर्मल इमेजिंग तकनीक से लैस होंगे। भारत में निर्मित यह स्मार्ट चश्मे वास्तविक समय में अपराधियों, संदिग्धों और घोषित अपराधियों के पुलिस डेटाबेस से जुड़े होंगे। इससे जमीनी स्तर पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में व्यक्तियों की तुरंत पहचान करने में मदद मिलेगी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (नयी दिल्ली) देवेश कुमार महला ने कहा कि ये पहनने योग्य उपकरण (स्मार्ट चश्मे) पुलिस अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मोबाइल फोन से जुड़ेंगे, जिससे उनकी आपराधिक डेटाबेस तक पहुंच प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है तो स्मार्ट चश्मे पर एक हरा बॉक्स दिखाई देता है, जबकि एक लाल बॉक्स आपराधिक रिकॉर्ड का संकेत देगा।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली परेड के लिए सुरक्षा व्यवस्था में बहुस्तरीय अवरोधक लगाए गए हैं और इसके अलावा छह स्तरों की जांच एवं तलाशी शामिल है। नयी दिल्ली में एफआरएस सहित हजारों सीसीटीवी लगाए गए हैं। एफआरएस से लैस मोबाइल वाहनों को भी विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

युवा शक्ति का सामर्थ्य, विकसित भारत की पहचान

सरकारी सेवाओं के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने की एक राष्ट्रव्यापी पहल

रोजगार मेला

देश भर में 45 स्थानों पर सरकारी सेवाओं में चयनित
61,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा
24 जनवरी, 2026 | प्रात: 11:00 बजे

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से

भारत सरकार और सहयोगी राज्य सरकारों द्वारा मिलकर रोजगार के लाखों नए अवसरों का सृजन

महिलाओं, दिव्यांगजनों और आकांक्षी जिलों के अभ्यर्थियों को विशेष लाभ

राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की बढ़ती सहभागिता से 'नागरिक प्रथम' के संकल्प की सिद्धि

समान अवसरों के लिए 13 क्षेत्रीय भाषाओं में भर्ती परीक्षाओं की सुविधा

यूपीएससी के 'प्रतिभा सेतु' पोर्टल से प्रतिभाशाली युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध

पारदर्शी एवं समयबद्ध नियुक्ति प्रक्रिया सुनिश्चित एवं पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून लागू

यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड और आईबीपीएस जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियों के माध्यम से नियुक्तियां

i-GOT कर्मयोगी पोर्टल पर 4200+ से अधिक उच्च गुणवत्ता पाठ्यक्रमों से 1.47 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी पा रहे प्रशिक्षण

CBC 19101/13/0029/2526

DD NEWS डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

प्रशिक्षण संबंधी अधिक जानकारी के लिए कर्मयोगी मॉड्यूल वेबसाइट https://portal.igotkarmayogi.gov.in/ पर जाएँ या QR कोड को स्कैन करें

शिल्प हॉट में आज से होगा तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस–2026 का आयोजन

प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ

नोएडा। उत्तर प्रदेश की स्थापना की ऐतिहासिक स्मृति को संजोने और प्रदेश की सांस्कृतिक, सामाजिक व विकासात्मक उपलब्धियों को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश दिवस–2026 का आयोजन 24 से 26 जनवरी तक नोएडा शिल्प हाट में किया जाएगा।

तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन का औपचारिक शुभारंभ 24 जनवरी 2026 को दोपहर 12 बजे उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी) सुनील कुमार शर्मा करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में जनपद के माननीय जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी संबंधित विभागों की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस–2026 का आयोजन "विकसित उत्तर प्रदेश–विकसित भारत" की थीम पर किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम लखनऊ में होगा, जबकि जनपद गौतमबुद्धनगर में नोएडा शिल्प हाट को जिला स्तरीय मुख्य आयोजन स्थल के रूप में चुना गया है। यहाँ तीन दिनों तक सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक और विकासपरक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रदेश की समृद्ध विरासत और विकास यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने अब तक की गई तैयारियों की जानकारी देते हुए मंच व्यवस्था, प्रदर्शनी क्षेत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आमंत्रण, सुरक्षा, स्वच्छता, विद्युत, यातायात और पार्किंग जैसी व्यवस्थाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

बैठक में बताया गया कि नोएडा शिल्प हाट परिसर में एक जनपद–एक उत्पाद (ODOP), स्टार्टअप, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, मिशन शक्ति, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों और जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं पर आधारित लगभग 120 आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं, महिलाओं, किसानों, शिल्पकारों, उद्यमियों और अन्य प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित करने की भी योजना है। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से समयबद्ध रूप से कार्य पूरा करें, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। समीक्षा बैठक के बाद मुख्य विकास अधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्राधिकरण, पुलिस और अन्य अधिकारियों के साथ नोएडा शिल्प हाट का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश दिवस के अंतर्गत युवा दिवस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती, राष्ट्रीय पर्यटन दिवस, मतदाता जागरूकता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों को प्रभावी रूप से कार्यक्रमों में शामिल किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान, गौरव और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है। सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि यह आयोजन भव्य और स्मरणीय बन सके।

शहर के अलग-अलग हिस्सों से 7 बाइक चोरी

नोएडा। नोएडा में पड़ रही कड़ाके के ठंड के बीच चोरों ने शहर के कई जगहों से 7 लोगों की मोटरसाइकिल चोरी कर ली। मोटरसाइकिल चोरी होने से वाहन मालिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ितों की शिकायत पर विभिन्न थानों की पुलिस अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि नफीस नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल चोटपुर कॉलोनी के पास से चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि यश कुमार नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है वह सेक्टर-22 में रहता है। पीड़ित के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल उसके घर के बाहर से चोरी कर लिया है। थाना सेक्टर-8 क्षेत्र से अज्ञात बदमाशों ने एक व्यक्ति का स्कूटर चोरी कर लिया। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि सौरव गुप्ता नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उनकी स्कूटी सेक्टर-58 के पास से चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में प्रशांत भारद्वाज ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उनकी मोटरसाइकिल सेक्टर-60 की पार्किंग से चोरी कर ली है। वहीं थाना फेस-वन क्षेत्र से बदमाशों ने 3 लोगों की मोटरसाइकिल चुरा लिया है। थाना फेस-1 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि अशफाक नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह नेक्शा शोरूम सेक्टर-1 में नौकरी करता है। पीड़ित के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल वहां से चोरी कर ली है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में भानु प्रकाश वर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-10 स्थित एक कंपनी में वह काम करते हैं। पीड़ित के अनुसार अज्ञात बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल कंपनी के बाहर से चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में शाहजहां खातून ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उसकी मोटरसाइकिल सेक्टर-3 से चोरी कर ली है।

जनपद के करीब 20 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, सुरक्षा कड़ी की गई

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के करीब 20 निजी स्कूलों को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। हालांकि, पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न थानों के कर्मचारी, बम निरोधक दस्ते, अग्निशमन सेवा, खोजी कुत्तों के दस्ते और बम खोजी एवं निष्क्रिय करण दस्ता (बीडीडीएस) की टीम को प्रभावित स्कूलों में तैनात किया गया। पुलिस की एक विज्ञप्ति के अनुसार, कुछ निजी संस्थानों के परिसरों में गहन तलाशी ली गई, जबकि साइबर अपराध की एक टीम ने धमकी भरे ईमेल का तकनीकी विश्लेषण शुरू कर दिया है।

पुलिस ने कहा, "स्थिति सामान्य है और सभी स्थानों पर पूर्ण शांति और व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी जाती है।" अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक आकलन से धमकियां अस्पष्ट हैं, लेकिन ईमेल के स्रोत और मकसद का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर जिले के लगभग 20 निजी स्कूलों को ये ईमेल प्राप्त हुए, जिनमें से एक ईमेल विदेश से भेजा गया प्रतीत होता है। उसने बताया कि तलाशी के दौरान किसी भी स्कूल परिसर से कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई और सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य रही। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्रा ने संवाददाताओं को बताया कि धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारी, बीडीडीएस दल, खोजी कुत्तों का दस्ता और पुलिसकर्मी स्कूलों में गहन जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "ईमेल का विश्लेषण किया जा चुका है और साइबर अपराध टीम तकनीकी जांच कर रही है। स्थिति सामान्य है और लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।" पुलिस ने बताया कि साइबर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है और ईमेल के स्रोत का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर भीड़भाड़ वाले स्थानों, शिक्षण संस्थानों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और जांच बढ़ा दी है।

पिछले वर्ष दिसंबर में भी नोएडा के कई स्कूलों को इसी तरह के फर्जी धमकी भरे ईमेल मिले थे। मई 2024 में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई निजी स्कूलों को बम की धमकी मिलने के बाद उन्हें खाली कराया गया था, हालांकि उस समय भी कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली थी। पुलिस ने बताया कि कड़ी निगरानी रखी जा रही है और तकनीकी जांच पूरी होने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवराज मौत मामले में एसआईटी की हाईलेवल बैठक, अफसरों से मांगा गया जवाब, 24 जनवरी को दी जा सकती है रिपोर्ट

नोएडा। नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की दर्दनाक मौत के मामले को लेकर जांच तेज हो गई है। इसी कड़ी में नोएडा अथॉरिटी कार्यालय में बीती रात एक हाईलेवल मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के अध्यक्ष एवं एडीजी भानु भास्कर, मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी और पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर अजय वर्मा शामिल हुए।

इस बैठक में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेधा रूपम, नोएडा अथॉरिटी के एसीईओ कृष्ण करुणेश और एसीईओ सतीश पाल से घटना को लेकर विस्तृत जवाब तलब किया गया। बैठक के दौरान एसआईटी ने साफ किया कि इस मामले में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे शुक्रवार को घटना से जुड़े सभी तथ्यों और सवालों पर लिखित जवाब दाखिल करें। इसके साथ ही शुक्रवार को एक बार फिर एसआईटी नोएडा पहुंचेगी और अधिकारियों द्वारा सौंपे गए जवाबों की समीक्षा करेगी। जानकारी के अनुसार, एसआईटी ने कुल 7 बिंदुओं पर विभागों से स्पष्टीकरण मांगा है। संबंधित अफसरों द्वारा 60 से अधिक पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे एसआईटी को सौंपा जाएगा। इसके अलावा जिला प्रशासन की ओर से डिजास्टर मैनेजमेंट से जुड़ी रिपोर्ट भी जांच टीम को दी जाएगी। एसआईटी ने खासतौर पर यह सवाल उठाया है कि घटना के समय कंट्रोल रूम, फील्ड स्टाफ और संबंधित विभागों के बीच किस स्तर का आपसी समन्वय था। साथ ही यह भी पूछा गया है कि सूचना मिलने के बाद रिस्पॉन्स टाइम कितना रहा और मौके पर युवक को बचाने के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए। जांच टीम यह भी जानना चाहती है कि राहत एवं बचाव कार्यों में कहां और किस स्तर पर चूक हुई।

इसके अलावा स्पोर्ट्स सिटी प्लॉट आवंटन से संबंधित जानकारियां भी मांगी गई हैं। एसआईटी ने यह स्पष्ट करने को कहा है कि संबंधित सेक्टर में सड़क, सड़क सुरक्षा, पानी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं कब उपलब्ध कराई गईं और प्लॉट का पजेशन किस तिथि को दिया गया था। जांच में यह पहलू भी शामिल है कि युवराज की मौत से पहले उसी स्थान पर एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, उसके बाद प्रशासन और संबंधित विभागों ने क्या एहतियाती कदम उठाए।

सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट सामने आने के बाद दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। एसआईटी अपनी अंतिम रिपोर्ट 24 जनवरी को शासन को सौंपेगी। इस मामले को लेकर प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज है और पूरे घटनाक्रम पर प्रदेश सरकार की भी कड़ी नजर बनी हुई है।

जंगल में युवती का शव मिलने से सनसनी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिला के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्राम मुतेयना से ग्राम बाग मडैया को जाने वाले खड़ंजे पर स्थित नाले में एक अज्ञात युवती का शव बरामद हुआ। मृतका की उम्र करीब 22 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को शव मिलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शव पर कोई स्पष्ट बाहरी चोट के निशान नहीं बताए गए हैं, हालांकि कुछ स्थानीय सूत्रों के अनुसार युवती के गले पर चोट के निशान होने की आशंका जताई जा रही है। मृतका के कपड़ों से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह किसी सिक्योरिटी एजेंसी में कार्यरत हो सकती थी। फिलहाल युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है और पुलिस पहचान कराने के प्रयास कर रही है। उल्लेखनीय है कि नोएडा में हाल ही में हुए युवराज मेहता की सड़क हादसे में मौत का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि इस घटना ने क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

ग्रेनो वेस्ट में दो दुकानों के ताले तोड़कर चोरी

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में दो अलग-अलग जगह दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटनाएं सामने आई है। पुलिस ने दोनों घटनाओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पतवाड़ी गांव में तरुण भारद्वाज मोबाइल की दुकान चलाते हैं। तरुण ने पुलिस को बताया कि गुरुवार की रात उनकी दुकान का ताला तोड़कर चोर कीमती मोबाइल चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, वाइट आर्केड सोसाइटी निवासी मैनेजर कपिल त्यागी ने बताया कि उनकी दुकान में चोरी की गई। पीड़ित ने बताया कि चोर दुकान से एक लाख बीस हजार रुपये ले गए। पीड़ित ने चोरी का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि दोनों घटनाओं की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है। चोरों का पता लगाकर घटनाओं का खुलासा किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा की जूनियर कैडेट चेष्टा सिंह का RDC-2026 के लिए चयन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित संत किशोरी शरण (एसकेएस) विद्या मंदिर की जूनियर एनसीसी कैडेट चेष्टा सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय और जिले को गौरवान्वित किया है। 31 यूपी बटालियन एनसीसी की इस होनहार कैडेट का चयन देश के सबसे प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर (RDC) 2026 के लिए हुआ है, जिसे एनसीसी का सर्वोच्च मंच माना जाता है।

आरडीसी शिविर में देशभर से केवल चुनिंदा और सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स को ही स्थान मिलता है। चेष्टा सिंह ने अपनी उत्कृष्ट ड्रिल, कड़े अनुशासन और निरंतर श्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर कई कठिन चयन चरणों को सफलतापूर्वक पार किया। अब वह दिल्ली के कर्तव्य पथ (पूर्व में राजपथ) पर आयोजित परेड तथा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की उपस्थिति में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्तर प्रदेश निदेशालय का प्रतिनिधित्व करेंगी। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चेष्टा सिंह की सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का परिणाम है। एक जूनियर कैडेट के रूप में इस स्तर तक पहुंचना न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी एनसीसी, सेना और राष्ट्रसेवा की ओर प्रेरित करेगी।

इस चयन के माध्यम से चेष्टा सिंह ने यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के आगे उम्र कोई बाधा नहीं होती। विद्यालय के प्रशिक्षकों और शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। जानकारी के अनुसार, कैडेट चेष्टा के विद्यालय लौटने पर भव्य स्वागत और सम्मान समारोह आयोजित करने की भी तैयारियां की जा रही हैं।

दिल्ली एनसीआर में मौसम का बदला मिजाज

बारिश और तेज हवाओं से ठंड बढ़ी, एक्यूआई में आंशिक सुधार

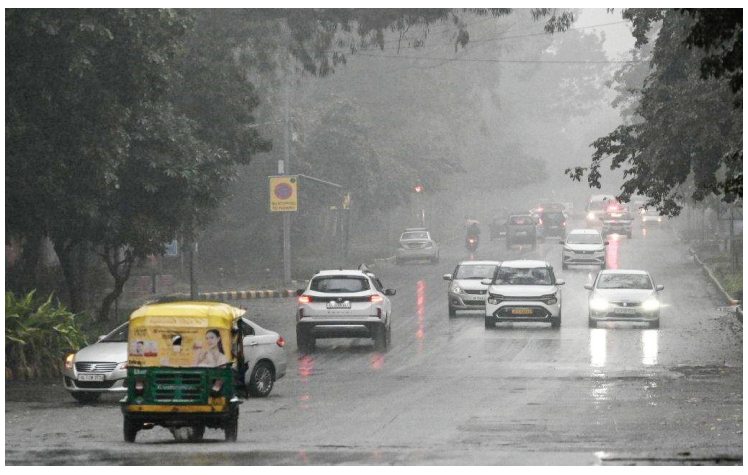

नई दिल्ली। गुरुवार रात से ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने करवट लेनी शुरू कर दी थी। देर रात से चल रही तेज हवाओं का असर शुक्रवार सुबह साफ तौर पर देखने को मिला, जब दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के इलाकों में बूंदाबांदी के साथ बारिश की शुरुआत हुई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दिनभर आसमान में घने और काले बादल छाए रहने की संभावना है, जिससे धूप निकलने के आसार बेहद कम हैं। तेज हवाओं और बादलों के चलते दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है और लोगों को दिन में भी कड़ाके की ठंड का एहसास होगा। आईएमडी की स्थानीय मौसम रिपोर्ट के मुताबिक 23 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया कि दिन के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी, बिजली गिरने और 30–40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना बनी रही। 24 जनवरी को भी मौसम लगभग ऐसा ही रहने का अनुमान है। इस दिन अधिकतम तापमान 17 डिग्री और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 25 जनवरी को सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है, जबकि तापमान 17 से 6 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

26 जनवरी को अधिकतम तापमान 19 डिग्री और न्यूनतम 7 डिग्री रहने का अनुमान है। हालांकि इन दिनों के लिए कोई विशेष मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। तेज हवाओं और बारिश का असर वायु गुणवत्ता पर भी पड़ा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और यूपीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में आंशिक सुधार देखा गया है।

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 267, संजय नगर में 290, जबकि लोनी में अब भी 390 के साथ स्थिति गंभीर बनी हुई है। नोएडा के सेक्टर–62 में एक्यूआई 249, सेक्टर–125 में 319, सेक्टर–1 में 290 और सेक्टर–116 में 296 दर्ज किया गया है। दिल्ली के कई इलाकों में हालांकि प्रदूषण अभी भी चिंताजनक स्तर पर है।

आनंद विहार में एक्यूआई 317, अशोक विहार में 335, बवाना में 342, चांदनी चौक में 326, अलीपुर में 322 और डीटीयू क्षेत्र में 312 दर्ज किया गया। वहीं कुछ इलाकों में रेड जोन से ऑरेंज जोन की ओर सुधार देखा गया है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश और तेज हवाओं के चलते अधिकतम तापमान में अपेक्षाकृत ज्यादा गिरावट देखने को मिलेगी। यही कारण है कि न्यूनतम तापमान ज्यादा न गिरने के बावजूद दिन में भी ठंड अधिक महसूस होगी।

फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़, क्राइम ब्रांच ने घोषित अपराधी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए फर्जी दस्तावेज और फर्जी पासपोर्ट रैकेट से जुड़े एक वांछित और घोषित अपराधी हरदेश उर्फ सोनू उर्फ आरपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी स्पेशल सेल में दर्ज मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था और अदालत द्वारा प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर घोषित किया जा चुका था। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, आरोपी हरदेश उर्फ सोनू के खिलाफ एफआईआर नंबर 181/25 थाना स्पेशल सेल में दर्ज है। इस मामले में आरोपी पर आर्म्स एक्ट की धारा 25/54/59, बीएनएसएस की धारा 318/335/336(3)/337/241/61(2) और पासपोर्ट एक्ट की धारा 12 के तहत केस दर्ज है। कोर्ट ने 16 जनवरी 2026 को आरोपी को घोषित अपराधी करार दिया था। इसके बाद विश्वसनीय गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को गाजियाबाद से दबोच लिया। यह ऑपरेशन इंस्पेक्टर वीर सिंह, सेंट्रल रेंज, क्राइम ब्रांच के नेतृत्व में किया गया। टीम में हेड कांस्टेबल संजय, मनीष, सुकराम पाल, विनोद, अनूप और महिला कांस्टेबल प्रिया शामिल थे। पूरी कार्रवाई डीसीपी क्राइम विक्रम सिंह की निगरानी और एसीपी सेंट्रल रेंज क्राइम राजबीर मलिक के मार्गदर्शन में हुई। इस ऑपरेशन में हेड कांस्टेबल संजय की भूमिका बेहद अहम रही, जिन्होंने पुख्ता और कारगर गुप्त सूचना जुटाकर गिरफ्तारी में निर्णायक योगदान दिया। पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि आरोपी संगठित आपराधिक गिरोहों के सदस्यों के लिए फर्जी पासपोर्ट और फर्जी पहचान पत्र बनवाने का काम करता था। जांच में सामने आया है कि आरोपी नंदू गैंग और सलीम पिस्टल गैंग के सदस्यों को फर्जी पासपोर्ट उपलब्ध कराता था, जिससे अपराधियों को देश-विदेश में अवैध आवाजाही में मदद मिलती थी। इस मामले में पहले से गिरफ्तार आरोपी अमरदीप लोचन ने खुलासा किया था कि वह नंदू गैंग के लिए काम करता है और उसके साथियों के लिए हरदेश ने फर्जी पासपोर्ट की व्यवस्था की थी।

इसके अलावा जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने कुख्यात गैंगस्टर सलीम पिस्टल के लिए भी फर्जी पासपोर्ट बनवाया था और उसके गिरोह को फंडिंग में मदद की थी। सलीम पिस्टल को पहले ही इस केस में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, हरदेश न सिर्फ फर्जी पासपोर्ट बल्कि फर्जी दस्तावेज, नकली पहचान और जाली पासपोर्ट तैयार कर कई कुख्यात अपराधियों को मुहैया करा चुका है। इससे साफ होता है कि वह एक अंतरराज्यीय फर्जी पासपोर्ट रैकेट का अहम हिस्सा था।

क्राइम ब्रांच का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी से फर्जी पासपोर्ट रैकेट, संगठित अपराध नेटवर्क और अंतरराज्यीय कड़ियों को लेकर कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ जारी है और मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

एम्स में 20 किलो का स्टेज-IV कोलन कैंसर ट्यूमर निकाला गया

❖ जनभावना टाइम्स

डॉक्टरों ने दी लाइफस्टाइल बदलने की चेतावनी

लाल मांस और फास्ट फूड से बढ़ता खतरा

नई दिल्ली। एम्स नई दिल्ली के डॉक्टरों ने एक बेहद जटिल और हाई-रिस्क सर्जरी कर 42 वर्षीय महिला की जान बचाई है। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर की रहने वाली महिला के शरीर से लगभग 20 किलोग्राम वजन का स्टेज-IV कोलन कैंसर ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला गया। यह सर्जरी न सिर्फ चिकित्सा जगत की बड़ी उपलब्धि है, बल्कि खराब जीवनशैली से बढ़ते कैंसर के खतरे पर भी एक गंभीर चेतावनी है। मरीज मुनमुन लंबे समय से एडवांस्ड कोलन कैंसर से जूझ रही थीं। कैंसर उनके लीवर, गर्भाशय, ओवरी और पेट की अंदरूनी परत तक फैल चुका था। कई महीनों की कीमोथेरेपी और दो चरणों में हुई जटिल सर्जरी के बाद फिलहाल वह कैंसर-मुक्त हैं और तेजी से रिकवरी कर रही हैं। प्रो. रे ने इलाज में मानसिक स्वास्थ्य की भूमिका पर भी जोर दिया। हम शरीर के इलाज पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन मन की ताकत को कम आंकते हैं। जिन मरीजों का मानसिक स्वास्थ्य मजबूत होता है, उनके नतीजे बेहतर होते हैं उन्होंने कहा। उन्होंने योग, ध्यान और नियमित व्यायाम को कैंसर उपचार और रोकथाम का अहम हिस्सा बताया। योग और मेडिटेशन तनाव कम करते हैं, इम्युनिटी बढ़ाते हैं और लंबे इलाज से लड़ने की ताकत देते हैं उन्होंने कहा। डॉक्टरों का कहना है कि यह मामला पूरे देश के लिए वेक-अप कॉल है। कोलन कैंसर से बचाव अस्पताल से पहले शुरू होता है। कम लाल मांस और प्रोसेस्ड फूड,नियमित शारीरिक गतिविधि,तनाव नियंत्रण,और पाचन से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न करना। प्रो. रे ने कहा,इस सर्जरी ने एक जान बचाई, लेकिन अगर लोग समय रहते अपनी जीवनशैली सुधार लें, तो ऐसे कई कैंसर रोके जा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस पर सुबह 3 बजे से दौड़ेगी दिल्ली मेट्रो

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजधानी वासियों और देशभर से आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली मेट्रो ने बड़ा फैसला लिया है। 26 जनवरी को दिल्ली मेट्रो की सभी लाइनों पर सेवाएं सुबह 3 बजे से शुरू होंगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने शुक्रवार को बताया कि सुबह 3 बजे से 6 बजे तक सभी लाइनों पर मेट्रो ट्रेनें हर 15 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। इसके बाद दिनभर मेट्रो सेवाएं सामान्य समय-सारिणी के अनुसार संचालित की जाएंगी। यह विशेष व्यवस्था खास तौर पर कर्तव्य पथ (पूर्व में राजपथ) पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड देखने पहुंचने वाले नागरिकों के लिए की गई है, ताकि उन्हें आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर पार्किंग सुविधाएं पूरी तरह चालू रहेंगी। डीएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा की पूर्व योजना बनाएं और सुबह की शुरुआती मेट्रो सेवाओं का लाभ उठाएं।

दूतावास की फर्जी नंबर प्लेट लगी इनोवा के साथ महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने गणतंत्र दिवस से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक बेहद संवेदनशील कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है, जो विदेशी दूतावास की फर्जी नंबर प्लेट लगी इनोवा कार से राजधानी के उच्च सुरक्षा वाले इलाकों और विभिन्न दूतावासों के आसपास लगातार आवाजाही कर रही थी। आरोपित महिला की गिरफ्तारी को पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम बताया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल यूनिट को 15 जनवरी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिला विदेशी दूतावास की नंबर प्लेट लगी कार का इस्तेमाल कर नई दिल्ली स्थित विभिन्न दूतावासों और डिप्लोमैटिक एरिया में बेरोकटोक प्रवेश कर रही है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर दलीप कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने वसंत विहार इलाके में निगरानी शुरू की। गुप्त सूचना को आगे विकसित करते हुए पता चला कि संदिग्ध महिला बी-ब्लॉक वसंत विहार की ओर गई है। वहां स्ट्रीट बी-5 में इनोवा कार खड़ी मिली।

दिल्ली क्राइम ब्रांच और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में क्राइम ब्रांच और कुख्यात बदमाशों के बीच गुरुवार रात एक बार फिर मुठभेड़ की घटना सामने आई है। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग से जुड़े दो शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग के शूटर एक सफेद रंग की आई-20 कार में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में इलाके से गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके में घेराबंदी कर संदिग्ध कार की पहचान कर उसे रोकने की कोशिश की। जैसे ही पुलिस ने कार को रुकने का इशारा किया, कार में सवार आरोपियों ने भागने की कोशिश की।

इसी दौरान आरोपी विक्की उर्फ मोगली ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से दो राउंड फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पुलिस टीम ने संयम और सतर्कता दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की। जवाबी फायरिंग में विक्की उर्फ मोगली के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे काबू में ले लिया। वहीं, उसके साथी चंदर भान को भी घेराबंदी कर बिना किसी नुकसान के गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विक्की उर्फ मोगली और चंदर भान के रूप में हुई है। दोनों आरोपी लंबे समय से पुलिस की रडार पर थे और कई आपराधिक मामलों में वांछित बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार और कारतूस भी बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों आरोपी गैंग के लिए सुपारी लेकर वारदातों को अंजाम देते थे।

दिल्ली पुलिस अब इनके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है और यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हाल के दिनों में हुई किन वारदातों में इनकी संलिप्तता रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

बीएमडब्ल्यू कार एक्सीडेंट मामले में दायर चार्जशीट का कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने धौला कुआं इलाके में 2025 में हुए बीएमडब्ल्यू कांड मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया है। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अंकित गर्ग ने इस मामले की आरोपित गगनप्रीत मक्कड़ को 2 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी करने का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में कहा है कि आरोपित गगनप्रीत मक्कड़ की गलती से ये हादसा हुआ। इस मामले के जांच अधिकारी इंस्पेक्टर शोयराम ने कहा कि हादसे के बाद आरोपित जानबूझकर पीड़ित को दूर के अस्पताल ले गए। चार्जशीट में कहा गया है कि घटना दोपहर 1.30 बजे हुई, जबकि आरोपित पीड़ित को 1.37 बजे लेकर गई और अस्पताल 2.15 बजे पहुंची। कोर्ट ने आरोपित गगनप्रीत मक्कड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 281, 125बी और 238ए के तहत दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया। धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास 14 सितंबर, 2025 को यह हादसा हुआ था।

मुख्यमंत्री ने नोवा नियो अस्पताल किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बुद्ध विहार फेज-1 में नोवा नियो अस्पताल का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह अस्पताल दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के सहयोग से बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक कुलवंत राणा और पार्षद अमृत जैन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पराक्रम दिवस पर किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

नई दिल्ली। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की स्मृति में आज पूरा देश पराक्रम दिवस मना रहा है। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्यागराज स्टेडियम में महा रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और आज दिल्लीवासियों ने इस अभियान में बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर सेवा, एकता और राष्ट्रीय कर्तव्य का सशक्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन और उनका संघर्ष हम सभी के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नेताजी की विरासत और विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प, राष्ट्रनिर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है।

उन्होंने कहा कि मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए नेताजी का अदम्य साहस, अटूट संकल्प और अतुलनीय त्याग भारतीय इतिहास में राष्ट्रगौरव का अमिट प्रतीक हैं। उनका जीवन और संघर्ष हमें कर्तव्य, स्वाभिमान और राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर प्रेरित करता रहेगा। इस अवसर पर कैबिनेट सहयोगी डॉ. पंकज कुमार सिंह उपस्थित रहे।

संपादकीय

बदलती दुनिया में भारत की नई यूरोपीय नीति

पूरे विश्व की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भरोसे की जगह आशंका और स्थायित्व की जगह अनिश्चितता ने ले ली है। ऐसे में भारत की विदेश नीति एक नए संतुलन को कायम करने की दिशा में बढ़ रही है। यह संतुलन केवल एशिया या अमरीका तक सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप को भी इसके दायरे में रखा जा रहा है। हाल के घटनाक्रम इस बदलाव का संकेत हैं। बीते दिनों जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत यात्रा इसी व्यापक रणनीति का महत्वपूर्ण उदाहरण रही। इस यात्रा को महज शिष्टाचार से कहीं आगे जाकर देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चांसलर मर्ज के बीच हुई वार्ता में व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ग्रीन एनर्जी, डिजिटल तकनीक और कौशल विकास प्रमुख रहे। यह विमर्श इस बात का प्रमाण है कि दोनों देश एक-दूसरे को केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति में समान सोच वाले सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जर्मनी यूरोप की सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था है। यूरोपीय संघ की राजनीतिक दिशा तय करने में जर्मनी की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। यहां यह भी गौरतलब है कि जर्मनी भारत से निरंतर आग्रह कर रहा है कि वह रूसी ऊर्जा और हथियारों पर अपनी निर्भरता को कम करे, जो फिलहाल आसान नहीं है। मर्ज की यात्रा के ठीक बाद आने वाला दूसरा बड़ा संकेत गणतंत्र दिवस समारोह में भी यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने जा रहे हैं। ऐसे मंच पर यूरोपीय संघ के नेतृत्व को आमंत्रित करना संदेश देता है कि भारत अब यूरोप को एक सामूहिक रणनीतिक भागीदार के रूप में महत्व दे रहा है। यह बदलाव यूं ही नहीं है। कुछ वर्षों में भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता तेज हुई है। भारत के इस कदम को समझने के लिए अमरीका की मौजूदा भूमिका पर नजर डालना जरूरी है। डॉनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमरीका की विदेश नीति अप्रत्याशित रूप से अविश्वसनीय और जटिल होती जा रही है। भारत और अमरीका के संबंध महत्वपूर्ण हैं, लेकिन भारत यह समझ चुका है कि किसी एक शक्ति पर निर्भरता रणनीतिक जोखिम पैदा कर सकती है। ट्रंप काल की यही अनिश्चितता भारत को अपने विकल्पों को विस्तार देने के लिए प्रेरित कर रही है। जब वैश्विक राजनीति में पुराने भरोसे डगमगा रहे हों और नई अनिश्चितताएं जन्म ले रही हों, तब भारत का यूरोप के साथ हाथ मिलाना आने वाले भविष्य की घोषणा है।

बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान

भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं। आज बालिकाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं।

योगेश कुमार गोयल

हर साल 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है, जो केवल एक दिवस मात्र नहीं है बल्कि भारतीय समाज के आत्ममंथन और उत्तरदायित्व बोध का दिवस है। यह वह अवसर है, जब हम यह सोचने को विवश होते हैं कि क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं, क्या उन्हें समान अवसर मिल रहे हैं और क्या समाज ने उन्हें बोझ नहीं बल्कि संभावना के रूप में स्वीकार किया है? बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उनके साथ होने वाले भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक चेतना विकसित करने तथा उनके सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। जब तक देश की बालिकाएं सशक्त नहीं होंगी, तब तक न तो समाज संतुलित हो सकता है और न ही राष्ट्र प्रगति के शिखर को छू सकता है।

एक समय था, जब भारतीय समाज में बेटी का जन्म चिंता का विषय माना जाता था। पुत्र मोह, सामाजिक कुरीतियां, दहेज जैसी अमानवीय परंपराएं और आर्थिक असुरक्षा की मानसिकता ने बेटियों को कोख में ही मार देने जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह लंबे समय तक सामाजिक स्वीकृति के साथ फलते-फूलते रहे, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप देश का लिंगानुपात बुरी तरह बिगड़ गया। हालांकि आजादी के बाद से ही सामाजिक चेतना, कानूनों और सरकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से इस सोच को बदलने के प्रयास हुए लेकिन यह सच है कि मानसिकता में बदलाव सबसे कठिन प्रक्रिया होती है।राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 2008 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिया गया था और पहली बार 24 जनवरी 2009 को यह दिवस मनाया गया था। यह दिवस मनाए जाने की शुरुआत करने का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस सामाजिक संकल्प को मजबूती देना था। यूनिसेफ स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित, स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त बचपन का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार किसी भी देश की जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिरता का सीधा संबंध वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से जुड़ा होता है।

भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं। आज बालिकाएं शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण, घरेलू हिंसा, बाल तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं, जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई, जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों, करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की। औसतन प्रतिदिन लगभग 140 महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में हिंसा का शिकार होकर जीवन गंवा रही हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी महिलाओं और लड़कियों की हत्या के हजारों मामले सामने आना यह दर्शाता है कि लैंगिक हिंसा केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं, बल्कि एक वैश्विक मानवीय संकट है। भारत में स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां अपराध के साथ-साथ सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को दोष देने की मानसिकता भी जुड़ी हुई है।

कई मामलों में न्याय प्रक्रिया की धीमी गति, सामाजिक दबाव और भय के कारण अपराध दर्ज ही नहीं हो पाते। बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि कानून तो बने हैं लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना में अभी भी गंभीर कमी है। यह भी सच है कि बालिकाओं को आज भी समानता साबित करने के लिए बालकों की तुलना में कहीं अधिक संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा से लेकर कैरियर, स्वतंत्रता से लेकर सुरक्षा तक, हर स्तर पर उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव केवल किसी एक चरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बालिका के जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर उसका पीछा करता है। यही कारण है कि बालिका दिवस जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार, समाज, शिक्षा व्यवस्था, मीडिया और शासन, सभी को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी।

बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण देना, उनकी बात सुनना, उनकी पसंद का सम्मान करना और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। जब समाज यह स्वीकार करेगा कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बालिकाओं को दया या सहानुभूति की दृष्टि से नहीं, अधिकार और समानता की दृष्टि से देखें। यही बालिकाएं देश की वर्तमान ऊर्जा हैं और भविष्य की दिशा भी। यदि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले तो वे न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस की सार्थकता इसी में है कि यह दिन हमें आत्मविश्लेषण के साथ-साथ ठोस सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा दे।

दहेज दानव का अन्त कैसे हो ?

-कांतिलाल मांडोत-

विवाह एक सामाजिक प्रक्रिया है। समाज की व्यवस्था को बनाये रखने के लिए विवाह-संस्कार का महत्त्वपूर्ण स्थान है। दुनियाँ के सभी समाजों में, चाहे वे आदिवासी हों, चाहे सुसंस्कृतः विवाह की प्रक्रिया किसी-न-किसी रूप में प्रत्येक समाज में है। कहीं युवती और युवक स्वयं एक-दूसरे का चुनाव करते हैं तो कहीं समाज के बड़े-बुजुर्ग कुल और खानदान के आधार पर अपने बच्चों, की जोड़ी मिलाकर विवाह की अनुमति प्रदान करते हैं।

आजकल विवाह-शादी का रूप शनैः शनैः विकृत होता जा रहा है। सामान्य और पिछड़े वर्ग जहाँ अपनी परम्परा का निर्वाह कर रहे हैं, वहाँ उच्च और मध्यम वर्ग परम्परा के पाटों में पिसने लगा है। विवाह विवशता में बदल रहा है। समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा इससे घुटन महसूस कर रहा है। क्यों? धर्म का कार्य समाज और व्यक्ति को सुखी एवं मुक्ति का राही बनाने का है। दुःखी व्यक्ति कभी भी धर्म की बात सच्चे मन से सोच ही नहीं सकता। इसलिए यदि हम सच्चे धार्मिक हैं तो व्यष्टि को ही नहीं समष्टि को भी सुखी बनाने का प्रयत्न करें।

विवाह गृहस्थाश्रम में जाने की प्रथम सीढ़ी है। प्रत्येक व्यक्ति कभी-न-कभी गृहस्थ का अंग होता है। साधु-संन्यासी भी कभी गृहस्थ के रूप में थे। वे उसी से अलग होकर कुछ दूर चले गये। वे अब सम्पूर्ण समाज के हैं। सम्पूर्ण विश्व के हैं। गृहस्थ अपने परिवार के लिए चिन्ता करता है, तो सन्त समग्र समाज की चिन्ता करता है। वह गृहस्थों-श्रावकों को गृहस्थ-जीवन में रहकर भी मुक्ति के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। यदि समाज जान-बूझकर दुःखों की चादर ओढ़ना प्रारम्भ कर दे तो फिर वह समाज कलंकित हो जाता है। उस समाज में अशान्ति पैदा हो जाती है। वह समाज घुन लगी लकड़ी की भाँति क्षीण होने लगता है। जब मानव में भाव-साधना जाग्रत होती है तो द्रव्य-साधना अपने आप छूटने लगती है। मुमुक्ष आत्मा परम तत्त्व को प्राप्त करने के लिये शास्त्र, स्वाध्याय एवं श्रुत में रम जाता है। उससे मन को परम शान्ति का आभास होता है। शान्ति को हम क्रय नहीं कर सकते. शान्ति कहीं बाहर नहीं है। आप जितने बाहर जायेंगे, अशान्ति उतनी ही बढती जायेगी, जितने अपने अन्दर जाओगे, मन के भीतर जाओगे, उतना ही शान्ति का द्वार खुलता जायेगा। अँधेरा सिमटता जायेगा, रोशनी उभरती जायेगी। पर लोग तो अँधेरे के उपासक होने लगे हैं। अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए बहाने बनाने लगे हैं। अपने मन की शान्ति के लिए दूसरों का चैन समाप्त करने पर तुले हैं। ऐसे लोगों का क्या किया जाये? भाव-साधना के बजाय द्रव्य साधना ही उनके जीवन का उद्देश्य हो गया है। वे उसी में शान्ति अनुभव करते हैं। अभिप्राय यह है कि हमारा मन असंयत हो गया है। जहाँ संयम टूटने लगता है, वहीं पतन प्रारम्भ हो जाता है। आज विवाह-जैसे पवित्र और संस्कारित कार्यों में दरारें पैदा होने लगी हैं। पचास वर्ष पहले का समाज कहाँ चला गया? आज आये दिन ऐसे-ऐसे समाचार सुनने को मिलते हैं, जिनके कारण समाज को सिर झुकाने के लिये विवश होना पड़ता है। जैन समाज की गिनती धन-सम्पन्न समाज में की जाती है। उसमें गलत परम्पराओं का प्रवेश धर्म की धज्जियाँ उड़ाने वाला है। शादी से पहले सौदे होने लगे हैं। लड़का, लड़का न होकर क्रय की वस्तु हो गया है। उसकी बोली लगाई जाने लगी है। जो जितना अधिक दहेज देगा, उसी की लड़की के साथ हम अपने लड़के का विवाह करेंगे। आज योग्यता को गौण कर दिया गया है। पर कब तक? सोचिए, ठंडे मस्तिष्क से सोचिए। दहेज के पीछे छिपी धारणा पर विचार कीजिए कि भारतीय समाज में लड़की को दहेज क्यों दिया जाता था?

माता-पिता के लिए लड़के और लड़की दोनों के प्रति समान स्नेह होता है। लड़की और लड़के का पिता की सम्पत्ति पर समान अधिकार होता है, चूँकि लड़की विवाह के पश्चात पिता का घर छोड़कर पति के घर जाती है, अतः पिता अपनी क्षमता के अनुसार अपने उपार्जित धन का कुछ भाग दान-दहेज के रूप में लड़की को देता है। यह परम्परा सदियों से चली आ रही है, जो वस्तुतः प्रीतिदान का ही रूप है। लेकिन अब तक वर पक्ष कभी भी इसकी माँग नहीं करता था। जो दे दिया वह ले लिया। जब से वर पक्ष ने माँगना प्रारम्भ कर दिया, इस प्रथा का रूप बीभत्स और विकृत हो गया। सगाई-सम्बन्ध से पहले यह चर्चा होती है कि विवाह में कितना धन लगाओगे? कितना सोना दोगे? कितना नकद? सामान क्या-क्या दोगे? हमारी यह शर्त है। यदि लड़की वाला शर्त स्वीकार कर लेता है, तो सम्बन्ध हो जाता है, वरना सुन्दर जोड़ी भी टूट जाती है। माता-पिता के समक्ष लड़के-लड़की चाहते हुए भी कुछ नहीं कर पाते। दहेज का महाराक्षस दीवार बनकर खड़ा हो जाता है।

वे दिन अभी अधिक दूर नहीं हुए, जब लड़कों के विवाह हेतु लड़की वालों को रुपया देना होता था। मैं मानता हूँ कि यह भी बुरी बात थी कि कोई पिता रुपये लेकर अपनी लड़की का हाथ लड़के के हाथ में दे। यह तो लड़की को बेचना था। लेकिन आज जो हो रहा है, वह कौन-सा अच्छा है? दहेज देने के लिए लड़की के पिता को विवश किया जा रहा है। लड़की के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है, यहाँ तक कि दहेज के लोभी-पापी भेड़िये लड़की को जलाकर हत्या करने लगे हैं। जहर देकर मारने लगे हैं। यहाँ में यह कहूँगा कि ऐसा करने वाले अपने जीवन में कभी शान्ति प्राप्त नहीं कर सकेंगे। दूसरों की लड़की के साथ अन्याय, अत्याचार करने वालों को यह नहीं भूलना है कि उनके भी लड़की है। वह भी वधू बनकर विदा होगी। समाज को ऊँचा उठाना है तो उच्च वर्ग को आगे आना पड़ेगा। उन्हें मध्यम वर्ग की सिसकी सुननी पड़ेगी। क्या हमसब तैयार हैं? दूसरों के कमाये धन से जीवन निकलने वाला नहीं है। व्यक्ति का अपना पुरुषार्थ ही काम आयेगा। दहेज में प्राप्त धन को देखकर कुछ समय भले ही प्रसन्न हो जाओ, मगर वास्तविकता जानने के पश्चात तो पश्चाताप ही करना पड़ेगा। व्यंग से सुशोभित होती परम्पराए। दहेज में उनको इतना सामान दिया गया कि वर व उसका पिता उसे देख-देखकर फूल गये। वे सामान तो ले गये लेकिन वधू को स्टेशन पर भूल गये।

हो जाती हैं ऐसी घटनाएँ प्रायः विवाह के दिनों में। ऐसी-ऐसी घटनाएँ आये दिन सुनने को मिलती हैं तो आश्चर्य होता है। एक ताजा घटना है दहेज के भूखों ने वधू पक्ष वालों से कहा कि विवाह में आपको वहीं चीजें देनी होंगी, जो हम आपको बतायेंगे। वधू पक्ष वाला भी सम्पन्न था। उसने कहा कि आपको जो चाहिए, उसकी सूची बनाकर दे दें। बारात पहुँच गई। सारा सामान सूची के अनुसार सजा दिया गया। बाराती नाश्ता और भोजन की प्रतीक्षा करने लगे। मगर वधू पक्ष वाले उनकी बात को अनसुनी करते रहे। लोगों ने सोचा शायद विवाह के पश्चात भोजन की व्यवस्था होगी। दुल्हा-दुल्हन फेरों में बैठ गये। विवाह हो गया। बेचारे बारातियों का भूख के मारे हाल बेहाल हो रहा था। उन्होंने कहा- क्या बात है? भोजन का कुछ पता ही नहीं है। वर के पिता कन्या के पिता से बोले समधी जी, बारात को भूख लग रही है।

चिन्ता से बचिए

आजकल विश्व की संभवतः सबसे प्रमुख व्यक्तिगत समस्या है 'चिन्ता। प्रायः सभी स्त्री-पुरुष भली-भांति जानते हैं कि चिन्ता करना हानिकारक है लेकिन फिर भी चिंतित रहते हैं। यह देखा गया है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अधिक चिंताग्रस्त रहती हैं। कभी गृहस्थी की चिंता, तो कभी रोटी की चिंता, कभी इसकी चिंता कभी उसकी, कभी गंभीर चिंता तो कभी सामान्य चिंता अर्थात चिन्ता उन्हें किसी न किसी रूप में घेरे रहती है। चिंता हमारी शक्तियों का ह्रास करती है, विचारों को भ्रांत बनाती है तथा स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। जिस समय हम चिंता कर रहे होते हैं उस समय हमारे सोचने समझने की शक्ति क्षीण हो जाती है क्योंकि चिंता एकाग्रता को खत्म करती है। जब हम चिंतित रहते हैं तो हमारे विचार सर्वत्र भटकते रहते हैं और हम निर्णय करने की शक्ति से हाथ धो बैठते हैं। अक्सर हमारी चिंताएं किसी न किसी प्रकार की मूर्खतापूर्ण कल्पनाओं से भरी होती हैं। हम अपना जीवन बहुत सी ऐसी बातों की चिंता में व्यतीत करते हैं जो वास्तव में कभी नहीं होती। यदि ध्यान से सोचें तो आपको स्मरण हो जाएगा कि अपने जीवन की किसी महत्वपूर्ण घटना से पूर्व आपका मन कई दिनों या कई महीनों तक बेचैन रहा था जैसे परीक्षा परिणाम से पूर्व, किसी पद ग्रहण करने से पहले या फिर कोई महत्वपूर्ण कार्य करने से पहले। उस समय आपको यही आशंका घेरे रहती है कि कहीं आपका अनुमान गलत न हो जाए अथवा कहीं आप असफल न हो जाएं। उस समय उस आशंका, चिंता या भय के कारण आपका मन भारी-भारी रहता था, आप अपने को अस्वस्थ, अप्रकृत अनुभव करते थे किन्तु उस समय आपने इस सत्य पर विचार नहीं किया था कि वह आशंका का भूत आपके अपने ही मन की रचना थी। इस प्रकार अनेक महिलाएं अपने ही मन की पैदा की हुई चिंताओं से कष्ट पाती रहती हैं और अपना जीवन बर्बाद कर लेती हैं।

आज का इतिहास

1556 - चीन में भीषण भूकम्प में आठ लाख तीस हजार लोगों की मौत हुई।
1824 - रूस में पेट्रोग्राद का नाम बदलकर लेनिनग्राद कर दिया गया।
1839 - चार्ल्स डार्विन रॉयल सोसायटी के फेलो चुने गये।
1857 - कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना।
1924 - रूस के सेंट पीट्सबर्ग शहर का नाम बदलकर लेनिनग्राद किया गया।
1936 - अलबर्ट सैरुएट फ्रांस के प्रधानमंत्री बने।
1939 - चिली में भूकंप से 30 हजार लोग मरे।
1950 - 284 सदस्यों ने संविधान को अपनाने और लागू करने के समर्थन में हस्ताक्षर किए।
1950 - डॉ राजेंद्र प्रसाद स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने।
1950 - जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम को राष्ट्र गीत के रूप में स्वीकार किया गया।
1951 - प्रेम माथुर भारत की पहली महिला कमर्शियल पायलट बनीं।
1952 - मुम्बई में 'पहला अंतरराष्ट्रीय फिल्म' महोत्सव आयोजित किया गया।
1965 - ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सर विंस्टन चर्चिल का निधन।
1966 - एयर इंडिया का बोइंग आल्पस में दुर्घटनाग्रस्त हुआ जिसमें डॉ. होमी भाभा सहित 114 लोग मारे गये।
1966 - प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक एवं देश के परमाणु कार्यक्रम के जनक होमी जहांगीर भाभा का निधन हुआ।
1973 - अमेरिका ने वियतनाम युद्ध बंद होने के साथ लाओस और कंबोडिया में भी युद्धबंदी का ऐलान किया गया।
1979 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1989 - पेरू में सोने की खान में एक सौ से अधिक श्रमिक फंस गये।
1991 - लिथुआनिया गणराज्य ने सोवियत संघ के सैनिकों हटाने की मांग की।
1993 - सोयूज टी.एम. 16 प्रक्षेपित किया गया।
1993 - सोमालिया में अमेरिकी सैनिकों के साथ संघर्ष में तीन व्यक्ति मारे गये और अनेक घायल हो गये।
1996 - सं.रा. अमेरिका के इतिहास में पहली बार देश की प्रथम महिला हिलेरी क्लिंटन को न्यायालय में पेश होने का आदेश दिया गया।

आबादी के बोझ से दबी दिल्ली

-मनोज कुमार मिश्र-

दिल्ली में बढ़ रही बेहिसाब आबादी से केवल मकान और रोजगार का संकट ही नहीं बढ़ रहा है बल्कि इसका असर बिजली-पानी की आपूर्ति से लेकर प्रदूषण बढ़ाने पर हो रहा है। दिल्ली का क्षेत्रफल 1915 से आज तक 1483 वर्ग किलोमीटर ही है लेकिन आबादी 2 लाख 38 हजार से बढ़कर करीब तीन करोड़ हो गई।

इतना ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की कुल आबादी चार करोड़ से ज्यादा हो गई है। दिल्ली की सीमा बढ़ने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे में दिल्ली से आबादी का दबाव कम करने और हर साल बाहर से आकर दिल्ली में बसने वाली औसतन पांच लाख की अतिरिक्त आबादी को दिल्ली में आने से रोकने के लिए दिल्ली जैसी सुविधा दिल्ली के बाहर उपलब्ध कराना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसा न होने पर दिल्ली में मूलभूत सुविधाओं का संकट बढ़ता जाएगा, प्रदूषण की समस्या और बड़ी और स्थाई होती जाएगी। आबादी के दबाव से अनधिकृत कालोनी बढ़ती जाएगी और यमुना कभी भी साफ नहीं हो पाएगी।

राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव और वोट की राजनीति में पिछड़ने के भय से पहले की सरकारों ने दिल्ली पर आबादी के बोझ को कम करने के फैसले लिए लेकिन उस पर अमल नहीं हो पाया। सत्तर के दशक में करीब पचास बड़े सरकारी दफ्तर दिल्ली से बाहर ले जाने का फैसला हुआ। एक को उसमें से गए ही गिनती के, जो गए भी उनके मुख्य दफ्तर से ज्यादा उनकी दिल्ली शाखा का दफ्तर बड़ा होता गया। उसी तरह 1985 में एनसीआर योजना बोर्ड बनी। उसे 1988 से लागू करना शुरू किया गया। बोर्ड के पास कार्रवाई का ठोस अधिकार न होने से वह काम शुरू करने से पहले ही विफल हो गया। यह बात बोर्ड के सदस्य सचिव रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल ने सदस्य सचिव रहते 1996 में भी कही जो बाद में दिल्ली के मुख्य सचिव भी रहे।

उनका कहना था कि साल 1971-72 में केन्द्र सरकार ने सरकारी और अर्ध सरकारी करीब 50 संस्थानों के दफ्तर दिल्ली से बाहर भेजना तय किया। ओएनजीसी की मुख्यालय देहरादून, कोल इंडिया लिमिटेड का कोलकाता, भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारतीय स्टेट बैंक आदि के मुख्यालय मुंबई इत्यादि बाहर गए तो लेकिन न जाने वालों की संख्या ज्यादा रही। जो गए भी उनके क्षेत्रीय दफ्तर मुख्यालय से ज्यादा बड़े हो गए। उसके कर्मचारी और संबंधित लोग दिल्ली में रह गए। सालों पहले अदालत ने साफ तौर पर दिल्ली में उद्योग लगाने पर पाबंदी लगाई। माना गया कि केवल सेवा क्षेत्र के काम-स्कूल, अस्पताल, होटल इत्यादि ही दिल्ली में लगेंगे। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। जब एनसीआर योजना बनी तब दिल्ली में और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकारें थीं। बावजूद योजना ठीक से लागू नहीं हो पाई। ओमेश सहगल इसका एक बड़ा कारण मानते हैं कि बोर्ड के पास कोई ठोस अधिकार है ही नहीं। वह किसी को सजा दे ही नहीं सकती। इसलिए योजना कागजों पर ही रही और बेहिसाब तरीके से आबादी बढ़ती गई। इतना ही नहीं कोई राज्य सरकार दिल्ली के उपयोग के लिए अपनी जमीन देना तो दूर अपने राज्य सरकार के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं करने देती। सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि पूरे एनसीआर ही नहीं पड़ोसी शहरों के लोग नागरिक सुविधाओं के लिए दिल्ली आने पर मजबूर हैं। हवाई अड्डा (अब जेवर में शुरू होने वाला है), बड़े रेलवे स्टेशन, बड़े अस्पताल, बढ़िया स्कूल-कालेज के लिए तो लोगों को दिल्ली ही आना पड़ रहा है। लोग आएंगे तो गाड़ियां आएंगी। उससे प्रदूषण बढ़ेगा। इसलिए बिना ठोस योजना और राजनीतिक इच्छा शक्ति के दिल्ली पर से आबादी का बोझ कम ही नहीं हो सकता। वे कहते हैं कि दो बार दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को नियमित किया गया। जब वे मुख्य सचिव थे तब पता नहीं कैसे एरियल सर्वे में एक भी अनधिकृत कालोनी नहीं दिखी और आज यह संख्या तीन हजार पार कर गई। सवाल है कि यह सारी कालोनियां या दिल्ली के हर इलाके में अनधिकृत निर्माण कैसे और किसने किए, इस पर ठोस कारवाई हुए बिना दिल्ली को बचाया नहीं जा सकता है।

दिल्ली में आबकारी आयुक्त रहे एके सिंह कहते हैं कि कोई भी राज्य आपकी सलाह मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि आबकारी आयुक्त रहते हुए शराब की तस्करी को रोकने के लिए उन्होंने हरियाणा के आबकारी आयुक्त से आबकारी कर समान करने के लिए पहल करने को कहा, वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। दिल्ली में अपने आप ही आबादी बेहिसाब बढ़ रही है, ऊपर से पड़ोस के इलाकों से हर रोज पचास से साठ लाख लोग आते हैं। वे पैदल तो आते नहीं। उनके वाहन पहले से बढ़े प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। दिल्ली की अपनी सरकारी एजेंसियों में तालमेल न होने के चलते भी दिल्ली का नुकसान होता जा रहा है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण(डीडीए) की स्थापना दिल्ली को व्यवस्थित करने की योजना बनाने के लिए की गई, मकान बना कर बेचना उसने अपना मुख्य काम बना लिया। धीरे-धीरे उसके मास्टर प्लान बेकार साबित होने लगे और वह एक बड़ा बिल्डर जैसा बन गया। दुनिया के अमीर देश-अमेरिका और चीन बिजली बचाने के लिए अंतरिक्ष में डाटा सेंटर बना रहे हैं। अपने देश में अभी तक एक दूसरे राज्य से बिजली-पानी खरीदने-बेचने में ही लगे हुए हैं। दिल्ली अपनी जरूरत का केवल दस फीसदी पानी अपने से जुटा पाती है। बाकी के लिए तो दूसरे राज्यों पर ही निर्भरता है। फिर भी लगातार दिल्ली में पानी का संकट बना ही हुई है। हिमाचल प्रदेश के रेणुका बांध से दिल्ली को पानी मिलने का भरोसा सालों से मिल रहा है। यह कैसे संभव है कि दूसरे राज्य अपने पानी न लेकर सारा ही पानी दिल्ली को देने लगेंगे। हालात इस बार बदले हुए हैं। एनसीआर योजना के समय दिल्ली और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी तो अभी हर जगह भाजपा की सरकार है। इतना ही नहीं गजब राजनीतिक इच्छाशक्ति वाले नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें करीब 48 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। इस पर भी काम शुरू हो गया है। दिल्ली मेट्रो से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली-करनाल और दिल्ली-अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इन सभी का लाभ तो दिल्ली को होगा ही। दिल्ली की समस्या यह है कि दिल्ली का अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरतों को पूरा करने के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी तब दिल्ली की आबादी करीब 2,38 हजार थी, जो 1947 में बढ़कर 6,95 हजार हो गई थी। अब आबादी करीब तीन करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ हो गई है। एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

देश को दिशा दिखाते हैं नेताजी के आदर्श : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

भुवनेश्वर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि हर भारतीय को देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए।

राधाकृष्णन ने बोस के निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन 'पराक्रम' के सच्चे सार का प्रतीक है, जो भावी पीढ़ियों को साहस, बलिदान एवं राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की प्रेरणा देता आया है। उपराष्ट्रपति शुक्रवार को ओडिशा की अपनी पहली यात्रा पर सुबह भुवनेश्वर पहुंचे और कटक में बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में हिस्सा लिया। उड़िया बाजार में आयोजित कार्यक्रम में दिखाए गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2021 में बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' घोषित करके उन्हें उचित सम्मान दिया। राधाकृष्णन ने कहा कि विचार में मतभेद हो सकते हैं, आजादी के लिए लड़ाई के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं... लेकिन हर भारतीय को महान बलिदानों को मान्यता देनी चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने याद दिलाया कि 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप कर दिया था।

उन्होंने इसे भारत के महान सपूत बोस को सम्मानित करने वाला कदम बताया। राधाकृष्णन ने कहा कि मोदी की निर्णायक कार्रवाई और राष्ट्र की सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता 'पराक्रम' की भावना को व्यक्त करती है, जो साहस और दृढ़ संकल्प की भावना है।

उन्होंने कहा कि बोस की ओर से 'फॉरवर्ड ब्लॉक' का गठन महात्मा गांधी के खिलाफ नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक शासन से लड़ने के लिए एक अलग दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता था। राधाकृष्णन ने कहा कि जब वे (बोस) कटक पहुंचे, तो हजारों लोग आए। उस समय महात्मा गांधी को हर कोई जानता था और वे एक निर्विवाद नेता थे। उस निर्विवाद नेता पर केवल एक व्यक्ति ने सवाल उठाए और वह थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस। इससे पता चलता है कि वह कितने महान नेता थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'पराक्रम' केवल नेताजी की स्मृति नहीं है, बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए साहसपूर्वक कार्य करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान है।

उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन के खिलाफ बोस का संघर्ष आज भी भारतीयों में देशभक्ति की भावना को जागृत करता है। राधाकृष्णन ने कहा कि मेरे हृदय में देशभक्ति की पहली चिंगारी सुभाष चंद्र बोस के जीवन इतिहास को पढ़ने के बाद ही पैदा हुई। नेताजी वहां आज भी मौजूद हैं, जहां साहस भय पर विजय पाता है और जहां कर्तव्य स्वार्थ से ऊपर उठता है।

बाद में उपराष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राधाकृष्णन ने नागरिकों से नेताजी के मजबूत, आत्मनिर्भर और शक्तिशाली राष्ट्र के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेते हुए सामूहिक रूप से 'विकसित भारत 2047' की दिशा में काम करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। इससे पहले, उपराष्ट्रपति ने कटक में बोस के जन्मस्थान पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी भी मौजूद थे। राधाकृष्णन ने कटक में एक डाक टिकट संग्रह दीर्घा और जिला संस्कृति भवन का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कटक में पराक्रम दिवस समारोह के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी मायाधर मल्लिक और विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) बीएस सिंह देव को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर जिले को दी 853 करोड़ की सौगात

172 योजनाओं का किया उद्घाटन, शिलान्यास एवं कार्यारंभ

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज समृद्धि यात्रा के क्रम में मुजफ्फरपुर जिले में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया। इस क्रम में उन्होंने मुजफ्फरपुर जिले को 853 करोड़ रुपये की सौगात दी।

मुख्यमंत्री ने कृषि उत्पादन बाजार समिति, अहियापुर के प्रांगण में मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत 853 करोड़ रुपये की लागत से 172 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से अनावरण कर उद्घाटन, शिलान्यास एवं कार्यारंभ किया। इनमें 212 करोड़ रुपये की लागत से 47 योजनाओं का उद्घाटन, 194 करोड़ रुपये की लागत से 89 योजनाओं का शिलान्यास तथा 447 करोड़ रुपये की लागत से 36 योजनाओं का कार्यारंभ शामिल है। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत मुशहरी प्रखंड के चांदनी चौक (एनएच-28) से बरखी पथ (एनएच-57) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि अब तक 15 प्रतिशत यह कार्य पूर्ण करा लिया गया है। काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। निर्धारित समय के अंदर इसे पूर्ण करा लिया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रगति यात्रा से संबंधित योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से कराया जा रहा है, इनमें मुजफ्फरपुर के पूर्वी भाग में रिंग रोड का निर्माण कार्य, एनएच- 122 गोबरसही चौक से माड़ीपुर पावर हाउस चौक एवं मुजफ्फरपुर-रामदयालु नगर के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंच पथ सहित आरओबी का निर्माण एवं मधौल-रामदयालु पथ का चौड़ीकरण कार्य।

सबहा चौक से मरीचा तक पथ का निर्माण कार्य, एनएच-122 अन्तर्गत चांदनी चौक से रामदयालु नगर तक सड़क के चौड़ीकरण एवं पुनर्विकास का कार्य, सोडा गोदाम से चंदवारा बांध के बीच उच्चस्तरीय आरसीसी पुल के पहुंच पथ का निर्माण एवं फेज-02 अन्तर्गत जेल चौक से खुदीराम बोस चिता स्थल (650 मी.) तक तथा फेज-01 के तहत पूर्व निर्मित पहुंच मार्ग के जंक्शन से सिपाहपुर पुराना एनएच (1450 मी) तक सड़क का निर्माण कार्य। गायघाट प्रखण्ड के भटगामा में मधुरपट्टी घाट पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य, मुख्यमंत्री सेतु योजनान्तर्गत औराई प्रखंड के घनश्यामपुर पंचायत अन्तर्गत मुसमारा सोती धारा पर पुल का निर्माण कार्य,

मुख्यमंत्री सेतु योजनान्तर्गत औराई प्रखंड के बसुआ गांव में लखनदेई नदी पर आरसीसी पुल का निर्माण कार्य। मुख्यमंत्री सेतु योजनान्तर्गत औराई प्रखंड के सुन्दरखौली गांव में लखनदेई नदी पर पुल का निर्माण कार्य, बन्दरा प्रखंड अंतर्गत बड़गाँव से शंकरपुर तक पथ का निर्माण कार्य तेजी आगे बढ़ रहा है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि मुजफ्फरपुर के बैरिया बस स्टैंड का नाम अमर शहीद बैकुंठ शुक्ल के नाम पर किया जाएगा। लगभग 63 प्रतिशत कार्य पूर्ण करा लिया गया है। इस बस स्टैंड का नाम अमर शहीद बैकुंठ शुक्ल के नाम पर करने हेतु विभागीय स्तर से अधिसूचित कर दिया गया है।

अर्थव्यवस्था को लेकर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी शुल्क के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को 'हो रहे नुकसान' को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी 'कमजोरी' का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले। राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा कि मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए। उनका कहना था कि भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं, और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी शुल्क के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है।

राहुल गांधी ने दावा किया कि अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं। उनका कहना था कि इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है, इकाइयां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है। कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने कोई राहत नहीं दी है और न ही टैरिफ के बारे में बात की है, जबकि 4.5 करोड़ से ज़्यादा नौकरियां और लाखों बिज़नेस दांव पर लगे हैं। उनके मुताबिक, इस क्षेत्र में काम करने वालों को उन्हें बस एक ऐसी सरकार चाहिए जो उन्हें वास्तविक सहयोग दे। राहुल गांधी ने कहा कि यह बहुत ज़रूरी है कि भारत अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता करे जिसमें भारतीय उद्योग और भारतीय मज़दूरों को वरीयता मिले। प्रधानमंत्री मोदी को अपनी कमज़ोरी का असर हमारी अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने निभाया वादा, दिव्यांग पन्नालाल को भेंट की मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

बहुदिव्यांग व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल कराएंगे उपलब्ध : शिवराज

भोपाल। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बार फिर मानवीय पहल की मिसाल पेश की है। उन्होंने अपने वादे के अनुसार दिव्यांग पन्नालाल को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल सौंपी।

दरअसल, केन्द्रीय मंत्री चौहान की बीते 18 जनवरी को मध्य प्रदेश के विदिशा दौरे के दौरान उनकी मुलाकात ठेले पर पिंड खजूर बेचकर जीवनयापन करने वाले दिव्यांग पन्नालाल से हुई थी। उस समय शिवराज ने पन्नालाल से खजूर खरीदने के बाद उन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल देने का आश्वासन दिया था। आज शुक्रवार को शिवराज ने पन्नालाल को अपने भोपाल स्थित निवास पर आमंत्रित किया और उन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल सौंपकर अपना वादा पूरा किया। इस मौके पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वे आगे भी बहुदिव्यांग व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराएंगे, ताकि उन्हें रोजगार करने और आने-जाने में सहूलियत मिल सके। पन्नालाल को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल भेंट करने से पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भावुक शब्दों में कहा कि हम सब एक परिवार की तरह हैं और जो भाई-बहन पीछे रह गए हैं या जिनके जीवन में कठिनाई है, उनकी मदद करना हमारा दायित्व है। शिवराज ने बताया कि पन्नालाल से मुलाकात के दौरान दोस्ती हो गई और उन्होंने बस एक ही बात कही कि चलने-फिरने में दिक्कत होती है, इसलिए मुझे मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे हालात कैसे भी हों, दोस्ती और सहयोग की भावना हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस भेंट को वह उसी चौराहे पर देना चाहते थे, लेकिन कार्यक्रमों की व्यस्तता के कारण पन्नालाल और उनकी पत्नी को अपने निवास पर बुलाकर यह भेंट की गई।

शिवराज ने कहा कि यह वाहन सिर्फ यात्रा के लिए नहीं, बल्कि रोजगार के लिए भी उपयोगी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कि वे ऐसे बहुदिव्यांगों और जरूरतमंद भाई-बहनों की पहचान करेंगे और उन्हें मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराएंगे, ताकि उनका जीवन और रोजगार आसान हो सके। बता दें कि संसदीय क्षेत्र गंजबासौदा से ट्रेन के जरिए भोपाल पहुंचे शिवराज ने सफर के दौरान यात्रियों से बातचीत की और बच्चों और युवाओं के साथ सेल्फी भी ली।

पूर्वी जयंतिया हिल्स विस्फोट मामले में दो और गिरफ्तार

शिलांग। मेघालय पुलिस ने पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में हुए आईईडी विस्फोट मामले में दो और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या चार हो गई है, जबकि मुख्य साजिशकर्ता की तलाश अब भी जारी है।

पश्चिमी जयंतिया हिल्स पुलिस की संयुक्त टीम ने बीते पूरी रात चले अभियान के दौरान दोनों आरोपितों को दबोचा। 29 और 25 वर्ष आयु के इन आरोपितों को आज अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें छह दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि यह विस्फोट 15 दिसंबर की रात करीब 12:15 बजे शिमप्लोंग गांव के पास स्थित धर कंस्ट्रक्शन कंपनी के परिसर में हुआ था। धमाके में परिसर में खड़े एक पानी के टैंकर को नुकसान पहुंचा था, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। बाद में फॉरेंसिक जांच में विस्फोट में आईईडी के इस्तेमाल की पुष्टि हुई। इससे पहले पुलिस ने इसी मामले में शिमप्लोंग गांव के दो निवासियों को गिरफ्तार कर भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

बर्फबारी के चलते माता वैष्णो देवी की यात्रा स्थगित

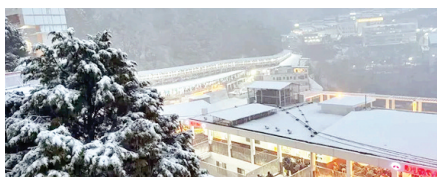

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में लगातार भारी बारिश और बर्फबारी जारी है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और एहतियाती कदम उठाए गए हैं। सुरक्षा कारणों से कटरा में माता वैष्णो देवी के मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई है। तीर्थयात्रियों को कटरा में ही रुकने के लिए कहा गया है और अगले आदेश तक किसी भी यात्री को बेस कैंप से मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मप्र के इंदौर में दूषित पीने के पानी से एक और मौत

भोपाल/इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पीने के पानी से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को 63 वर्षीय बुजुर्ग ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पीने के पानी से जान गंवाने वालों की संख्या 26 तक पहुंच गई है। ताजा मामले में शुक्रवार को 63 वर्षीय बद्री प्रसाद की मौत हो गई। उन्हें उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद 17 जनवरी को अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि बद्री प्रसाद पहले से टीबी जैसी गंभीर बीमारी से भी जूझ रहे थे। वहीं, शहर स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अरविंदो अस्पताल में फिलहाल 10 मरीजों का इलाज जारी है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है।

विभाग का कहना है कि भर्ती मरीजों में से 8 लोग पहले से अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं, जिससे उनकी स्थिति और जटिल बनी हुई है।इधर, प्रशासन ने पेयजल व्यवस्था को सुधारने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। फिलहाल क्षेत्र के करीब 30 प्रतिशत हिस्से में एक दिन छोड़कर पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गई है और सप्लाई से पहले पानी की नियमित जांच भी की जा रही है।

हिमाचल में भारी बर्फ़बारी से 452 सड़कें और दो नेशनल हाईवे बंद, 4274 ट्रांसफार्मर ठप

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से सीजन की पहली भारी बर्फ़बारी ने जहां पहाड़ों को सफ़ेद चादर से ढक दिया है, वहीं आम जनजीवन पर इसका गहरा असर पड़ा है और दुश्वारियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। राजधानी शिमला समेत प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार हो रही बर्फ़बारी के चलते सड़क, बिजली और संचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश भर में कुल 452 सड़कें बंद हो चुकी हैं, जिनमें दो नेशनल हाईवे भी शामिल हैं। अकेले लाहौल स्पीति जिले में ही 290 सड़कें यातायात के लिए बंद हैंम शिमला जिला में भी कई सड़कें अवरुद्ध हैं। शिमला–रामपुर नेशनल हाईवे, शिमला–रोहड़ू और शिमला–चौपाल मार्ग बंद होने से अप्पर शिमला का संपर्क राजधानी से कट गया है। कुफरी, नारकंडा, खड़ापत्थर और खिड़की जैसे इलाकों में सड़कें बर्फ़ और फिसलन के कारण पूरी तरह बंद हैं। शिमला शहर के भीतर भी कार्ट रोड, ढली, संजौली, टुटीकंडी और विकासनगर समेत कई प्रमुख सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप है। भारी हिमपात का सबसे बड़ा असर बिजली आपूर्ति पर पड़ा है। प्रदेश में कुल 4274 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं, जिससे सैकड़ों गांव और शहरी इलाके अंधेरे में डूबे हैं।

मंडी जिले में 1400 से अधिक, चम्बा में 700 से ज्यादा, कुल्लू व सिरमौर में 600- 600 से ज्यादा और ऊना में 500 से अधिक ट्रांसफार्मर बंद हैं। लगातार गिरते तापमान और तेज हवाओं ने ठंड को और बढ़ा दिया है। शिमला पुलिस और प्रशासन ने लोगों और पर्यटकों से अनावश्यक यात्रा से बचने और घरों व होटलों में ही रहने की अपील की है। आपात स्थिति के लिए पुलिस सहायता नंबर 112 और 0177-2812344 जारी किया गया है।

हिमाचल पथ परिवहन निगम ने अप्पर शिमला सहित किन्नौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और चंबा के बर्फ प्रभावित इलाकों में कई रूटों पर बस सेवाएं स्थगित कर दी हैं। उधर, मौसम विभाग के अनुसार शिमला में 0.6 सेंटीमीटर, मनाली में 4.8, कुफरी और केलांग में 4-4, भरमौर में 4, कुकुमसेरी में 6.8 और कोठी में 15 सेंटीमीटर तक बर्फ़बारी दर्ज की गई है, जबकि निचले इलाकों में तेज बारिश हुई है। विभाग ने आज कई स्थानों पर भारी बारिश और बर्फ़बारी के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकों की चेतावनी दी है और कुछ इलाकों में ठंडा दिन तथा घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। अगले दो दिनों तक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम खराब बने रहने के आसार हैं, जबकि 26 जनवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ के असर की संभावना बताई गई है।

इस बीच प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान शून्य से नीचे या उसके आसपास दर्ज किया गया है। कुफरी में न्यूनतम तापमान माइनस 2.3 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 2.8, नारकंडा में माइनस 3.5, तबो में माइनस 4.2, मशोबरा में माइनस 0.9 और कल्पा में माइनस 0.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है, जबकि शिमला में तापमान शून्य डिग्री तक पहुंच गया है।

SIR इतना सख्त कि नेताजी जीवित होते तो उन्हें भी नोटिस मिलता : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण इतना सख्त हो गया है कि यदि नेताजी सुभाष चंद्र बोस आज जीवित होते तो उन्हें भी सुनवाई के लिए नोटिस भेज दिया जाता।

ममता बनर्जी कोलकाता के रेड रोड पर नेताजी की 129वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियों के नाम पर सुनवाई के नोटिस अंधाधुंध तरीके से जारी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पूरा संदेह है कि नेताजी जीवित होते तो उन्हें भी सुनवाई के लिए बुलाया जाता, और यह भी याद दिलाया कि पहले ही नेताजी के परपोते को नोटिस भेजा जा चुका है।

उन्होंने कहा कि योजना आयोग नेताजी की परिकल्पना थी, लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार ने उसे समाप्त कर नीति आयोग बना दिया, जिसके उद्देश्य और भूमिका को लेकर आम लोगों में स्पष्टता नहीं है। ममता बनर्जी ने नेताजी के जन्मदिन को राष्ट्रीय अवकाश घोषित न किए जाने को भी दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि यह और भी दुखद है कि देश के लोग आज तक नेताजी की मृत्यु की सही तारीख तक नहीं जानते। एसआईआर को लेकर अपनी आपत्ति दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने राज्यव्यापी आंदोलन का आह्वान किया और दावा किया कि इस प्रक्रिया के कारण आम लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस पुनरीक्षण प्रक्रिया से लोगों को जो कष्ट हुआ है, उसके लिए जिम्मेदार लोगों को किसी न किसी दिन इसका जवाब देना होगा, हालांकि उन्होंने किसी व्यक्ति या संस्था का नाम नहीं लिया। मुख्यमंत्री ने एसआईआर को लेकर मौतों और आत्महत्याओं से जुड़ने के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में अब तक करीब 110 लोगों की मौत हो चुकी है और डर के कारण रोजाना तीन या चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के खिलाफ मामला क्यों नहीं दर्ज किया जाना चाहिए और कहा कि इसके लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदारी लेनी होगी।

भारत माता के सच्चे सपूत और स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक थे नेताजी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। "नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भारत की आजादी का एक ऐसा नाम है, जो प्रत्येक भारतीय के मन में सर्वोच्च सम्मान के साथ-साथ किसी भी विपरीत परिस्थिति में देशद्रोही व देशविरोधी तत्वों के सामने न झुकने के दृढ़ संकल्प की प्रेरणा प्रदान करता है। भारत माता के सच्चे सपूत नेताजी का नाम लेते ही हर भारतीय के मन में श्रद्धा व सम्मान के साथ राष्ट्रप्रेम की भावना स्वतः उत्पन्न हो जाती है।" मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये उद्गार नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पावन जयंती के अवसर पर नेताजी सुभाष चौक, हजरतगंज, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने नेताजी को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक की संज्ञा देते हुए आजादी की लड़ाई में उनके अमूल्य योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त की और उनके चित्र पर प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए।मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी का "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का आह्वान भारत की आजादी का मंत्र बन गया था। उनका एक-एक शब्द स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र बन जाता था। उनका "दिल्ली चलो" का उद्घोष हर भारतीय को प्रेरित करता है। उनका "कदम कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा" गीत आज भी भारतीय सेना के दीक्षांत समारोह में बड़ी शान से गाया जाता है। ऐसा कौन भारतीय होगा, जिसके मन में नेताजी के प्रति श्रद्धा-सम्मान का भाव न हो। नेताजी ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा प्रदान की थी। उन्होंने क्रांतिकारियों के सिरमौर के रूप में आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया। भारत के अंदर रहकर या भारत के बाहर, उन्होंने आजादी के लिए जो योगदान दिया, वह अविस्मरणीय है। जिस प्रकार उन्होंने जर्मनी, जापान तथा दुनिया के तमाम देशों में जाकर देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, हम सबके लिए प्रेरणा की गाथा है।

अपने संबोधन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी का जन्म 1897 में कटक में एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता परिवार में हुआ था। बचपन में ही उन्हें उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन भेज दिया गया। आईसीएस की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के बाद भी उन्होंने अंग्रेजों की चाकरी करने से इनकार कर दिया और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। नेताजी का विराट व्यक्तित्व और देश के प्रति अमूल्य योगदान आज भी हम सबको प्रेरणा प्रदान करता है, मैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और उनके श्रीचरणों में प्रदेशवासियों की ओर से नमन करता हूं।

इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल और कार्यक्रम के आयोजक विधान परिषद के सदस्य अवनीश कुमार सिंह, पूर्व मंत्री डॉक्टर महेंद्र सिंह, अंगद सिंह व पवन सिंह चौहान समेत अन्य गण्यमान्य लोग भी उपस्थित थे।

अनुकम्पा नियुक्ति के तहत 12 आश्रितों को मिली सरकारी सेवा, कैबिनेट मंत्री ने सौंपे पत्र

लखनऊ। कैबिनेट मंत्री बाल विकास एवं पुष्टाहार बेबीरानी मौर्या ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर 12 मृतक सरकारी कर्मचारी के आश्रितों को अनुकम्पा आधार पर सरकारी सेवा में समायोजित करते हुए नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 समय-समय पर यथासंशोधित 2025 के अनुसार इस तरह का अनुकम्पा नियुक्ति पत्र कैबिनेट मंत्री द्वारा प्रदान किए जाते रहे हैं। मंत्री के द्वारा वर्ष 2025 में 40 मृत सरकारी सेवक के आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। आज जिन 12 आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

उनमें दीपांशी श्रीवास्तव को कनिष्ठ सहायक, ज्योर्तिमय सक्सेना को कनिष्ठ सहायक, कुमार राहुल को कनिष्ठ सहायक, सुजीत कुमार कनिष्ठ सहायक, दीपक कुमार को कनिष्ठ सहायक, विशाल साहू को कनिष्ठ सहायक, कौशलेन्द्र गौतम को चतुर्थ श्रेणी, अनुराग कुमार को चतुर्थ श्रेणी, पंकज कुमार को कनिष्ठ सहायक, राहुल कुमार शर्मा को चतुर्थ श्रेणी, आलोक कुमार खरवार को कनिष्ठ सहायक और मिथिलेश कुमार गौतम को कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इन सभी के माता या पिता सरकारी सेवक के रूप में कार्यरत थे। इस प्रकार कनिष्ठ सहायक के पद पर नौ एवं चतुर्थ श्रेणी के तीन आश्रितों को कैबिनेट नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

इसी क्रम में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा मुख्य सेविका पद पर चयनित 2425 महिलाओं को मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। आयोग द्वारा नयी और 78 मुख्य सेविका तथा विभाग के लिए 597 नये कनिष्ठ सहायकों का चयन किया गया है। इन चयनित अभ्यर्थियों को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शीघ्र ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया जायेगा।

इवेंट मैनेजर युवती की हत्या कर शव पांच फीट गहरे गड्ढे में दफनाया 11 दिन बाद पुलिस ने किया बरामद

बरेली। जनपद में 12 जनवरी से लापता इवेंट मैनेजमेंट का काम करने वाली युवती की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। आरोपित ने वारदात के बाद शव को रिठौरा के जंगल में करीब पांच फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया। आज पुलिस ने 11 दिन बाद इस सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए शव बरामद कर लिया है।

- साथी युवक ने अपहरण कर हत्या की और जंगल में शव दफनाया
- पुलिस ने शव को कब्र से निकाला, आरोपित गिरफ्तार

थाना बारादरी प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया मोहल्ला दुर्गानगर निवासी पूजा शादी-ब्याह और पार्टियों में इवेंट मैनेजमेंट का काम करती थी। इसी काम में रिठौरा निवासी एक युवक उसका पार्टनर था। 12 जनवरी की दोपहर पूजा उससे हिसाब-किताब करने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर युवती घटना वाले दिन आरोपी युवक के साथ नजर आई। इसके बाद युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

थाना प्रभारी पांडेय ने बताया कि आरोपी ने लेनदेन को लेकर विवाद की बात स्वीकार की है। आरोपित के अनुसार गुस्से में आकर उसने मफलर से युवती का गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को जंगल में गड्ढा खोदकर दफना दिया। पुलिस शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

व्यापारी के बेटे की हत्या, पुलिस मुठभेड़ में एक हत्यारा ढेर

चित्रकूट। जनपद के बरगढ़ कस्बे में एक व्यापारी के 14 वर्षीय पुत्र आयुष का अपहरण कर 40 लाख की फिरौती न मिलने पर उसकी नृशंस हत्या कर दी गई। किशोर का शव शुक्रवार सुबह घर से कुछ दूरी पर खून से लथपथ अवस्था में मिला। जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं मामले की जांच में जुटी पुलिस की घटना में नामजद आरोपियों के साथ मुठभेड़ हो गई । जिसने एक आरोपी की गोली लगने से मौत हो गई। वही दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसे इलाज के लिए प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

घटना को लेकर आक्रोशित व्यापारी कई घंटे से झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में जाम लगाए हुए हैं। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में कई थानों की फोर्स जाम खुलवाने के प्रयास में जुटे हुए है। मिली जानकारी के मुताबिक चित्रकूट जिले के बरगढ़ बाजार में कपड़े की दुकान चलाने वाले अशोक कुमार केसरवानी का पुत्र आयुष (14) गुरुवार शाम करीब छह बजे कोचिंग पढ़ने गया था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। स्वजन ने अपने स्तर से उसकी तलाश शुरू की, इसी दौरान देर शाम करीब नौ बजे अपहरणकर्ताओं ने फोन कर 40 लाख रुपये की फिरौती की मांग की। घबराए परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस के सक्रिय होते ही अपहरणकर्ताओं ने किशोर की हत्या कर दी। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे आयुष का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गईं।

आक्रोशित व्यापारियों ने पूर्व प्रधान प्रकाश केशरवानी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

पूरा बरगढ़ थाना क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश की।इसके बाद घटना में नामजद आरोपी कल्लू खान और इरफान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के मुताबिक पास के जंगल से फिरौती के लिए प्रयोग किए गए फोन को बरामद कर लिया गया। इसके बाद बदमाशों ने पुलिस पर हमला कर भागने का प्रयास किया। जिसकी जवाबी कार्रवाई में कल्लू खान और इरफान को गोली लग गई। जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊ ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने कल्लू को मृत घोषित कर दिया। वही इरफान की स्थिति गंभीर होने पर उसे इलाज के लिए प्रयागराज मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मासूम बच्चे की नृशंस हत्या करने वाले बदमाश पहले व्यापारी अशोक केशरवानी के घर किराए पर रहते थे। कुछ दिनों पहले ही व्यापारी ने उनसे अपना घर खाली करवाया था। इसी खुन्नस के चलते बदमाशो ने आयुष को 40 लाख की फिरौती के लिए अपहरण किया था।

फिरौती की डिमांड पूरी न होने तथा मामला पुलिस तक पहुंच जाने के कारण बदमाशो ने आयुष की हत्या कर दी। इस मामले में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल चित्रकूट में भारी आक्रोश है। जिलाध्यक्ष राजीव अग्रवाल और जिला महामंत्री गुलाब गुप्ता ने व्यापारी के मासूम पुत्र की निर्मम हत्या करने वाले बदमाशों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग की है। साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पीड़ित व्यापारी को 25 करोड़ की आर्थिक सहायता और शस्त्र लाइसेंस दिलाए जाने की मांग की है।

जेल में बंद तीन ट्रांसजेंडर एचआईवी संक्रमित पाए गये

प्रतापगढ़। जिला कारागार में बंद 13 ट्रांसजेंडर कैदियों की दोबारा चिकित्सका जांच कराए जाने पर शुक्रवार को उनमें से तीन में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले प्रारंभिक जांच में सात ट्रांसजेंडर के एचआईवी संक्रमित होने की बात सामने आई थी। जिला कारागार अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी ने बताया कि बीते रविवार को मारपीट के मामले में कुल 13 ट्रांसजेंडर को जेल लाया गया था, जिनमें से सात कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उन्होंने बताया कि मेडिकल कालेज के पैथालोजी विभाग की टीम रक्त नमूने लेकर दोबारा जांच कराई, उनमें से तीन ट्रांसजेंडर संक्रमित पाए गए। अधीक्षक ने बताया कि अब इन तीन ट्रांसजेंडर को अलग बैरक में रखकर इनका इलाज शुरू कर दिया गया है।

पति ने कुदाल से हमला कर की पत्नी की हत्या

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने जमीन बेचने से मना करने पर कुदाल से हमला कर अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) मनोज रावत ने बताया कि खरगूपुर थानाक्षेत्र के भोलाजोत निवासी बाबूलाल ने शुक्रवार सुबह कुदाल से अपनी पत्नी रीता (35) के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मृतका की बहन मीना ने आरोप लगाया कि उसका जीजा नशे का आदी है और इस कारण रीता के ससुर ने साढ़े पांच बीघा जमीन उसके नाम पर कर दी थी। मृतका की बहन ने बताया कि इसी जमीन को बेचने के लिए बाबूलाल, रीता पर लगातार दबाव बना रहा था लेकिन वह इसका विरोध कर रही थी। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार, नशे की वजह से बाबूलाल पहले भी कुछ जमीन बिकवा चुका था और शुक्रवार सुबह रीता जब घर में खाना बना रही थी, उसी समय आरोपी उसे घर से खींचकर बाहर लाया और सिर पर लगातार कुदाल से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मृतका के दो बच्चे हैं। अधिकारी ने बताया कि रीता के पिता रामसेवक ने बाबूलाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

घटना के तुरंत बाद क्षेत्राधिकारी (सिटी) आनंद राय और प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी अभी फरार है और घटना की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ अपमानजनक व्यवहार हुआ : संजय सिंह

सुलतानपुर। जनपद में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई घटना की निंदा की ओर कहा कि उनकी पार्टी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ खड़ी है।

अपने गृह जनपद सुलतानपुर आज पहुंचे सांसद संजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान निंदनीय है और यह हिटलरशाही का जीता जागता उदाहरण है। उनके शिष्यों की चोटी पकड़ कर घसीट घसीट कर पीटा गया है। शंकराचार्य पिछले कई दिनों से धरने पर बैठे हुए हैं उनसे कोई माफ़ी मांगने के लिए या अपनी गलती मानने के लिए तैयार नहीं है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने हैरत जताते हुए कहा कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा जा रहा है। कुल मिलाकर बहुत अपमानजनक मामला है। मेरी उनसे फोन पर उनसे बात भी हुई थी और मैं पूरी तरीके से शंकराचार्य के समर्थन में हूं।

छात्र ने एमबीबीएस में दिव्यांग कोटा से दाखिला लेने के लिए अपना पैर काटा

जौनपुर। जिले में एक छात्र ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में दो बार असफल होने के बाद एमबीबीएस में दाखिल के लिए कथित तौर पर दिव्यांग कोटा हासिल करने की नीयत से अपना पैर काट लिया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सघन जांच के बाद इस साजिश का खुलासा कर दिया गया।

- पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सघन जांच के बाद इस साजिश का खुलासा कर दिया गया

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि लाइन बाजार थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव निवासी आकाश भाष्कर ने 18 जनवरी की सुबह पुलिस को सूचना दी कि 17 जनवरी की देर रात कुछ अज्ञात बदमाश उसके निर्माणाधीन मकान में घुसे और उनके भाई सूरज की बेरहमी से पिटाई कर उसका पैर का पंजा काट लिया। उन्होंने बताया कि इस सनसनीखेज सूचना के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की जांच नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) गोल्डी गुप्ता को सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस को सूरज की कहानी में कई विरोधाभास मिले। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन की जांच में एक युवती का नंबर मिला, जिससे पूछताछ के बाद शक और गहरा गया। इस बीच, पुलिस को सूरज की एक डायरी भी मिली, जिसमें उसने लिखा था, "2026 में मैं एमबीबीएस डॉक्टर बनकर रहूंगा।" श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि सूरज नीट में दो बार असफल होने के बाद मानसिक तनाव में आ गया था और एमबीबीएस में दाखिले के लिए दिव्यांग कोटे का लाभ लेने की योजना के तहत उसने खुद ही अपना पैर काट लिया। पुलिस के अनुसार, युवक ने झूठी कहानी गढ़ी, लेकिन साक्ष्यों और कड़ी पूछताछ के सामने उसका दावा टिक नहीं सका।

लाइन बाजार थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि सूरज का इलाज पार्थ अस्पताल में किया जा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में विधिक राय मांगी गई है और उसके बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

युवती से शादी के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी

शाहजहांपु। जिले में एक युवती से कनाडा में रहने वाले व्यक्ति ने शादी के नाम पर 15 लाख रुपये से भी अधिक की ठगी की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने शुक्रवार को बताया कि शाहजहांपुर की रहने वाली युवती को एक वैवाहिक विज्ञापन वेबसाइट से विशाल अग्रवाल नामक व्यक्ति का अनुरोध मिला, जिसे युवती ने स्वीकार कर लिया।

उन्होंने बताया कि बाद में दोनों के बीव बातचीत होने लगी और विशाल ने युवती को बताया कि वह कनाडा में रहता है और कारोबारी है। उसने बताया कि वह अपना कारोबार समेट कर फरवरी महीने में दिल्ली में ही स्थाई रूप से रहेगा और इसके बाद दोनों शादी कर लेंगे। एसपी ने दर्ज कराई गई प्राथमिकी के हवाले से बताया कि इसके बाद आरोपी ने शादी तय होने पर उपहार में एक अंगूठी, सोने का हार तथा एक आई फोन भेजने के लिए युवती का पता मांगा। युवती के पता भेजने के बाद 11 दिसंबर को एक व्यक्ति ने फोन करके बताया कि उसका पार्सल आया है तब उससे 26 हजार रुपये मांगे गए। इस तरह से विभिन्न तरीकों से कभी सोना भेजने, कभी प्रमाणपत्र के नाम पर उससे 15 लाख रुपये से ऊपर की ठगी की गई।द्विवेदी ने बताया की युवती ने आरोप लगाया है कि अब विशाल से उसकी बात नहीं हो रही है और उसे महसूस हुआ कि शादी के नाम पर उससे ठगी की गई है।

पुलिस ने आरोपी कथित विशाल अग्रवाल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घूस की बात सुन ऊर्जा मंत्री सख्त, अमरोहा के बिजली अधिकारी व कर्मियों पर गिरी गाज

- मंत्री की सख्ती के बाद लाइनमैन की सेवा समाप्त, जेई निलंबित, एसडीओ और अधिशासी अभियंता से मांगा स्पष्टीकरण

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देश पर विद्युत कनेक्शन के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप में मुरादाबाद मंडल के अमरोहा जनपद के लाइनमैन की सेवा समाप्त करते हुए जेई को निलंबित कर दिया गया है। जबकि दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। यह जानकारी शुक्रवार को मुरादाबाद के सहायक सूचना अधिकारी सुमित कुमार ने दी।

सहायक सूचना अधिकारी के मुताबिक नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान मुरादाबाद मंडल के अमरोहा जनपद के नौगांव सादात निवासी शिकायतकर्ता मोहम्मद यूसा पुत्र कासिम ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगने तथा जानबूझकर कार्य में टालमटोल किए जाने की शिकायत मंत्री के समक्ष रखी, जिसे उन्होंने गंभीरता से लिया। उन्होंने तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए।

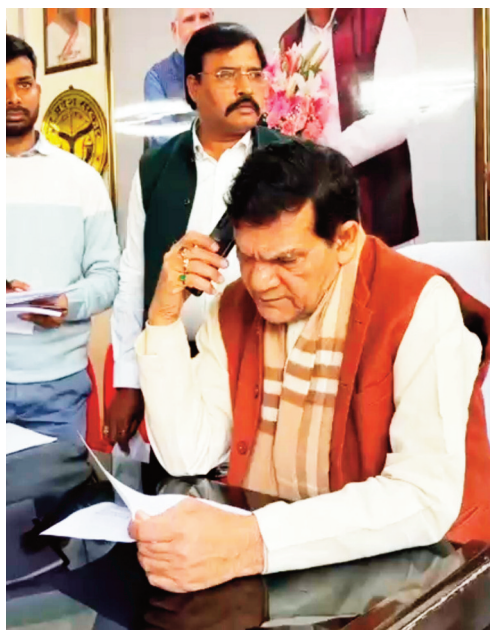

मंत्री के निर्देश पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए विभाग ने देर रात ही कनिष्ठ अभियंता (जेई) राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, वहीं लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके साथ ही एसडीओ रितेश प्रसाद एवं अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के अंतर्गत स्पष्टीकरण जारी करते हुए जवाब मांगा गया है। जवाब न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्यवाही किए जाने की संस्तुति की गई है।

डीसीएम और ई-रिक्शा की टक्कर में दो यात्रियों की मौत, तीन अन्य घायल

बलरामपुर। जिले के गौरा चौराहा थाना क्षेत्र में सवारियों से भरे ई-रिक्शा और डीसीएम (छोटा ट्रक) के बीच भीषण टक्कर होने से दो यात्रियों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय ने बताया कि गोरा-जैतापुर मार्ग पर बृहस्पतिवार की देर रात सवारियों को लेकर जा रहे ई रिक्शा को डीसीएम ने टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में ई रिक्शा सवार भभूति चौहान, कंचन चौहान, भानमती, उर्मिला, बरकत अली गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने भभूति चौहान (45) एवं कंचन चौहान (38) को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसपी ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चलती कार में आग लगने से चालक की जिंदा जलकर मौत

आगरा। जगदीशपुरा इलाके में चलती कार में आग लगने से चालक की जलकर कर मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) गौरव सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार की देर रात थाना जगदीश पुरा इलाके में बोदला बिचपुरी मार्ग पर चालक वीरेंद्र (45) कार चला रहे थे, तभी अचानक कार में से धुआं उठना शुरू हो गया और देखते ही देखते कार में आग लग गई। एसीपी ने बताया कि वीरेंद्र कार का दरवाजा खोल नहीं पाए और आग की चपेट में आ गए। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी और पुलिस ने आग पर काबू पाया। कार में से वीरेंद्र का शव बाहर निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन आशंका है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से कार में आग लगी है। कार के लॉक खुल नहीं पाए जिसकी वजह से वीरेंद्र कार में फंसे रहे और उनकी मौत हो गई।

सरफराज की ऐतिहासिक पारी 206 गेंदों में लगाया शानदार दोहरा शतक

मुंबई। मुंबई के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान ने रणजी ट्रॉफी में एक और यादगार पारी खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया। शुक्रवार को सरफराज ने 206 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया, जो उनके प्रथम श्रेणी करियर की पांचवीं डबल सेंचुरी है। इस पारी के दौरान सरफराज खान ने अपना 17वां प्रथम श्रेणी शतक भी पूरा किया, जो 2025–26 सत्र का उनका पहला शतक रहा। 2019–20 सत्र के बाद से रणजी ट्रॉफी में सरफराज से ज्यादा शतक सिर्फ अमनदीप खरे और अनुष्टुप मजूमदार ने लगाए हैं।

सरफराज खान की यह पारी आखिरकार 219 गेंदों में 227 रन पर समाप्त हुई। उन्होंने अपनी पारी में 19 चौके और 9 छक्के लगाए और 103.65 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इस पारी की खास बात भारतीय टीम के साथी गेंदबाज मोहम्मद सिराज के खिलाफ उनका आक्रामक अंदाज रहा, जिनकी गेंदों पर सरफराज ने महज 39 गेंदों में 45 रन बटोर लिए। हाल के दिनों में सरफराज खान शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने 2025–26 विजय हजारे ट्रॉफी के सातवें राउंड में पंजाब के खिलाफ महज 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सनसनी मचा दी थी। यह लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाया गया सबसे तेज अर्धशतक था। इस दौरान सरफराज खान ने महाराष्ट्र के अभिजीत काले (1995 में बड़ौदा के खिलाफ 16 गेंदों में अर्धशतक) और बड़ौदा के ऑलराउंडर आतित शेठ (2021 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 16 गेंदों में अर्धशतक) के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विजय हजारे ट्रॉफी में सरफराज खान मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने छह पारियों में 303 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 75.75 और स्ट्राइक रेट 190.56 रहा। इसके अलावा 2025–26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी सरफराज का बल्ला जमकर बोला, जहां वह मुंबई के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने सात मैचों में 329 रन बनाए, औसत 65.80 और स्ट्राइक रेट 203.80 रहा।

सरफराज खान ने आखिरी बार नवंबर 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत के लिए खेला था, लेकिन इसके बाद से वह घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी बेहतरीन फॉर्म का इनाम उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी में भी मिला, जहां चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में खरीदा। सरफराज खान की यह पारी एक बार फिर साबित करती है कि वह घरेलू क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद और आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: अल्कराज और सबालेंका चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की। स्पेन के 22 वर्षीय अल्काराज यहां करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी माउटेट से मिली चुनौती से निपटते हुए 6-2, 6-4, 6-1 से जीत दर्ज की।

अल्काराज ने कोर्ट पर टीवी इंटरव्यू में कहा, ''जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए। शानदार अंक जुटाए।'' अल्काराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने के कारण अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम कर लिए थे। महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से हराया। सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं। सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है।

अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको के खिलाफ होगा जिन्होंने 14वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टौसन को 7-6 (5), 5-7, 6-3 से हराया। पुरुषों के अन्य मुकाबलो में दानिल मेदवेदेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फैबियन मारोजसन पर 6-7 (5), 4-6, 7-5, 6-0, 6-3 से जीत हासिल की। यह पांचवीं बार है जब मेदवेदेव ने 0-2 से पिछड़ने के बाद ग्रैंड स्लैम मैच जीता है।

2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन और तीन बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन उप विजेता मेदवेदेव अब अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन से भिड़ेंगे जिन्होंने उन्हें पिछले साल यहां दूसरे दौर के पाच सेट चले मैच में हराया था। 25वीं वरीयता प्राप्त टिएन ने नूनो बोर्गेस को 7-6 (9), 6-4, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

न्यूजीलैंड की टी20 विश्व कप टीम में चोटिल एडम मिल्ने की जगह काइल जैमीसन

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड ने एडम मिल्ने के चोटिल होने के कारण उनकी जगह तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को अपनी टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया है। मिल्ने बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण इस अहम टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

मिल्ने को यह चोट पिछले रविवार को एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप और एमआई केप टाउन के बीच मैच के दौरान लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि स्कैन में इस चोट की गंभीरता सामने आई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि जैमीसन इस समय भारत दौरे पर टीम की सफेद गेंद की टीम के साथ हैं। उन्हें टी20 विश्व कप की टीम में जोड़ा गया है जबकि पहले उन्हें भारत और श्रीलंका में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया था। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा कि मिल्ने भारत दौरे पर टीम का हिस्सा नहीं थे क्योंकि वह टी20 विश्व कप के लिए तैयारी में जुटे थे। उन्होंने कहा कि हम सभी को एडम के लिए बहुत दुख हो रहा है। उन्होंने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने में कड़ी मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैच में वह अपनी पुरानी लय में लौटते हुए दिख रहे थे।

वॉल्टर को उम्मीद है कि जैमीसन टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जिन्होंने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड के कम अनुभवी तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है। जैमीसन की जगह टीम में रिजर्व खिलाड़ी की घोषणा बाद में की जाएगी।

प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए दिल्ली निगाहें दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन पर

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए शनिवार को यहां शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर वापसी के संकेत दिए थे और वह चार अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई।

हालांकि इस चरण में अब तक अजेय रही आरसीबी को हराने के लिए दिल्ली को अपने खेल का स्तर और ऊंचा करना होगा। अब तक दिल्ली की बल्लेबाजी की अगुआई अनुभवी लिजेल ली (213 रन) ने की है जबकि लॉरा वोलवार्ट (123 रन) और शेफाली वर्मा (149 रन) ने बीच-बीच में उनका सहयोग किया है। लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स की फॉर्म चिंता का विषय रही है। मुंबई के खिलाफ जीत में रोड्रिग्स ने नाबाद अर्धशतक लगाकर कुछ हद तक चिंताओं को दूर किया था और आरसीबी के खिलाफ भी उनसे एक और मजबूत पारी की उम्मीद होगी। गेंदबाजी विभाग में भी दिल्ली को कुछ कमियों को दूर करना होगा। बड़े नाम होने के बावजूद अब तक उनकी गेंदबाजी की अगुआई 'अनकैप्ड' (जिसने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने की है। चंडीगढ़ की इस खिलाड़ी ने पांच मैच में 8.7 की इकॉनोमी से 10 विकेट लिए हैं। लेकिन भारतीय स्पिनर श्री चरणी (सात विकेट) और स्नेह राणा (एक विकेट) अभी अपनी लय में नहीं आ पाई हैं। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज मरीजान काप (चार विकेट) भी अब तक ज्यादा असर नहीं छोड़ पाई हैं, हालांकि उनकी 5.25 इकॉनोमी शानदार रही है। दिल्ली के गेंदबाजों को आरसीबी की अनुभवी और दमदार बल्लेबाजी लाइनअप के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के शीर्ष क्रम में कप्तान स्मृति मंधाना और ग्रेस हैरिस की मजबूत मौजूदगी रही हैं जबकि नादिन डि क्लर्क और ऋचा घोष ने हमेशा की तरह मध्य और निचले क्रम को संभाला है। गुजरात जायंट्स के खिलाफ 73 रन की शानदार पारी खेलने वाली गौतमी नाइक ने भी आरसीबी की बल्लेबाजी को और मजबूती दी है।

पूर्व चैंपियन आरसीबी की गेंदबाजी भी बेहतरीन फॉर्म में है। सयाली सतघरे, डि क्लर्क, लॉरेन बेल और श्रेयंका पाटिल लगातार विकेट ले रही हैं तथा पांच मैचों में उनकी इकॉनोमी क्रमशः 8, 6.9, 5.4 और 8.9 रही है। पहले ही 10 अंक के साथ प्लेऑफ में जगह बना चुकी आरसीबी तालिका में शीर्ष पर बने रहने और सीधे फाइनल में प्रवेश के करीब पहुंचने के लिए एक और जीत दर्ज करना चाहेगी।

डेविड वॉर्नर ने सिडनी थंडर के साथ एक साल का नया करार किया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज़ डेविड वॉर्नर बिग बैश लीग (बीबीएल) में कम से कम एक और सीज़न तक खेलते नजर आएंगे। वॉर्नर ने 2025-26 सीज़न के शानदार प्रदर्शन के बाद सिडनी थंडर के साथ एक साल के नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि सिडनी थंडर का पिछला सीज़न निराशाजनक रहा और टीम अंकतालिका में सबसे नीचे रही—तीन में दूसरी बार, जबकि एक सीज़न पहले वह उपविजेता बनी थी—लेकिन वॉर्नर का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने 86.60 की औसत और 154.09 के स्ट्राइक रेट से 433 रन बनाए, जिसमें दो शतक शामिल थे। उनकी आखिरी चार पारियों में नाबाद 130, नाबाद 67, 82 और नाबाद 110 रन शामिल रहे।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

बालाजी वेफर्स में अल्पांश हिस्सेदारी हासिल करेगी जनरल अटलांटिक

नई दिल्ली। वैश्विक निजी इक्विटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी जनरल अटलांटिक गुजरात स्थित बालाजी वेफर्स में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है। इस निवेश से कंपनी के प्रमुख कॉरपोरेट कार्यों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। उद्योग से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह वैश्विक निवेशक 'पैकेज्ड स्नैक्स' कंपनी बालाजी वेफर्स में करीब सात प्रतिशत हिस्सेदारी 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में हासिल करेगा। इससे कंपनी का मूल्यांकन करीब 35,000 करोड़ रुपये बैठता है। संयुक्त बयान के अनुसार, बालाजी वेफर्स ने रणनीतिक निवेश के लिए जनरल अटलांटिक के साथ एक 'डिफिनिटिव एग्रीमेंट' किया है। बालाजी वेफर्स के संस्थापक एवं चेयरमैन चंदूभाई विरानी ने कहा, '' जनरल अटलांटिक का निवेश हमें विश्वस्तरीय सुविधाओं की स्थापना एवं संचालन, नवाचार में निवेश तथा कंपनी के अगले चरण के विकास को गति देने के लिए एक पेशेवर दल तैयार करने में सहयोग करेगा। उपभोक्ताओं के भरोसेमंद गुणवत्ता और स्वाद को बनाए रखते हुए हम पूरे भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने को लेकर उत्साहित हैं।'' जनरल अटलांटिक में भारत के प्रबंध निदेशक एवं प्रमुख शंतनु रस्तोगी ने कहा, '' हम भारत के 'पैकेज्ड स्नैक्स' बाजार में महत्वपूर्ण विकास संभावनाएं देख रहे हैं। बालाजी वेफर्स इस अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह तैयार है और हम चंदूभाई और पूरे बालाजी दल के साथ साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं।

आईआरबी इंफ्रा ने एनएच-27, एनएच-731 के कुछ हिस्सों पर टोल वसूली की शुरू

नई दिल्ली। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के लखनऊ–अयोध्या–गोरखपुर खंड और लखनऊ–वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग-731 के लखनऊ–सुल्तानपुर खंड पर टोल वसूली शुरू कर दी है। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स (आईआरबी इन्फ्रा) ने शुक्रवार को बयान में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 9,270 करोड़ रुपये की अग्रिम रियायत शुल्क राशि का भुगतान करने और वित्तीय समापन के बाद टोल वसूली शुरू की गई है। कंपनी ने बताया कि उसने परियोजना की विशेष इकाई (एसपीवी) आईआरबी हरिहर कॉरिडोर्स के जरिये 20 वर्ष की राजस्व-आधारित रियायत अवधि के लिए टोल संग्रह शुरू किया है। आईआरबी समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक वीरेंद्र डी. म्हासकर ने कहा, '' यह गलियारा (एनएच-27) विशेष सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व रखता है क्योंकि यह भारत के सबसे पूजनीय धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों को जोड़ता है।

पीएसजीआईसी, नाबार्ड और आरबीआई के लिए वेतन और पेंशन रिवीजन को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के लंबे समय से रुके वेतन संशोधन को मंजूरी दे दी है। साथ ही सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड के रिटायर कर्मचारियों के पेंशन संशोधन को भी मंजूरी दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले से लगभग 46322 कर्मचारियों, 23570 पेंशनभोगियों और 23260 पारिवारिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पीएसजीआईसी के कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन 01 अगस्त, 2022 से लागू होगा। वेतन बिल में कुल 12.41 फीसदी की बढ़ोतरी होगी, जिसमें मौजूदा बेसिक पे और महंगाई भत्ते में 14 फीसदी की वृद्धि शामिल है। इस संशोधन से कुल 43,247 सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के कर्मचारियों को फायदा होगा। इस बदलाव में 01 अप्रैल 2010 के बाद नौकरी ज्वाइन करने वाले कर्मचारियों के बेहतर भविष्य के लिए एनपीएस योगदान को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 फीसदी करने का भी प्रावधान है।

वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पारिवारिक पेंशन को 30 फीसदी की समान दर पर संशोधित किया है, जिससे कुल 15,582

मौजूदा फैमिली पेंशनर्स में से 14,615 फैमिली पेंशनर्स को फायदा होगा। इस पर कुल खर्च 8,170.30 करोड़ रुपये होगा, जिसमें (वेतन रिवीजन के बकाया के लिए 5,822.68 करोड़ रुपये, एपीएस के लिए 250.15 करोड़ रुपये और फैमिली पेंशन के लिए 2,097.47 करोड़ रुपये) शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार की ओर से 1 नवंबर, 2022 से नबार्ड के सभी ग्रुप 'ए', 'बी' और 'सी' कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इससे लगभग 3,800 सेवारत और पूर्व कर्मचारियों को फायदा होगा। पे रिवीजन से सालाना वेतन बिल में लगभग 170 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा और बकाया का कुल भुगतान लगभग 510 करोड़ रुपये होगा। पेंशन में बदलाव से एक बार में 50.82 करोड़ रुपये का एरियर पेमेंट होगा। साथ ही नाबार्ड के 269 पेंशनर्स और 457 फैमिली पेंशनर्स को हर महीने पेंशन पेमेंट में 3.55 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च होगा।

इसके अलावा सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के रिटायर हुए कर्मचारियों की पेंशन और फैमिली पेंशन में बदलाव को मंजूरी दे दी है। मंजूर किए गए बदलाव के तहत, 1 नवंबर, 2022 से बेसिक पेंशन प्लस महंगाई राहत पर पेंशन और फैमिली पेंशन में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। इससे सभी रिटायर लोगों की बेसिक पेंशन में 1.43 गुना की बढ़ोतरी होगी, जिससे उनकी मासिक पेंशन में काफी सुधार होगा। इस रिवीजन से कुल 30,769 लाभार्थियों को फायदा होगा, जिसमें 22,580 पेंशनभोगी और 8,189 पारिवारिक पेंशनभोगी शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि कुल वित्तीय खर्च 2,696.82 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसमें बकाया के लिए 2,485.02 करोड़ रुपये का एक बार का खर्च और 211.80 करोड़ रुपये का सालाना खर्च शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि यह फैसला सरकार की सामाजिक सुरक्षा और पेंशन पाने वालों की वित्तीय भलाई के प्रति लगातार प्रतिबद्धता और जोर को दिखाता है, जो उनकी लंबी और समर्पित व्यावसायिक सेवा को देखते हुए लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) में नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईसीएल), न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईएसीएल), ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल), यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (यूआईआईसी), जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) और एग्रीकल्चरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एआईसीआईएल) शामिल हैं।

रुपया कारोबार के दौरान 41 पैसे टूटकर 91.99 प्रति डॉलर के अबतक के सबसे निचले स्तर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान 41 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.99 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा की निरंतर निकासी और अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से अस्थिरता कुछ हद तक कम हो रही है लेकिन घरेलू मुद्रा के समग्र नकारात्मक रुझान में कोई बदलाव नहीं आ रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.45 पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसने 91.41 का उच्च स्तर छुआ लेकिन जल्द ही इसमें गिरावट आई और यह रिकॉर्ड निचले स्तर 91.99 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 41 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को सात पैसे की बढ़त के साथ 91.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.38 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स 797.94 अंक टूटकर 81,509.43 अंक पर जबकि निफ्टी 240.55 अंक फिसलकर 25,049.35 अंक पर कारोबार कर रहा था।

अदाणी समूह ने आईएएनएस समाचार एजेंसी का अधिग्रहण किया पूरा

नई दिल्ली। गौतम अदाणी के समूह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस में शेष 24% हिस्सेदारी खरीदकर उस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अदाणी समूह की अदाणी एंटरप्राइजेज की मीडिया इकाई एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने आईएएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में बची हुई हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए शेयर खरीद समझौता किया है। हालांकि, लेनदेन से जुड़े वित्तीय विवरण साझा नहीं किए गए। समूह ने दिसंबर 2023 में आईएएनएस में 50.50% की बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की थी जिससे यह समाचार एजेंसी अदाणी की मीडिया इकाई की अनुषंगी कंपनी बन गई थी। इसके बाद जनवरी 2024 में एएमजी मीडिया नेटवर्क्स ने आईएएनएस में मतदान अधिकार वाली हिस्सेदारी बढ़ाकर 76% कर ली थी जबकि गैर-मतदान शेयर में भी उसकी हिस्सेदारी लगभग पूरी हो गई थी।

न्यायालय ने बैंकिंग धोखाधड़ी से जुड़ी जनहित याचिका पर अनिल अंबानी,एडीएजी को जारी किए नए नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अनिल अंबानी और अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) को एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को नए नोटिस जारी किए। याचिका में कंपनी और उसकी समूह कंपनियों से जुड़े कथित बड़े पैमाने पर बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध किया गया है।\ उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कथित धोखाधड़ी की जांच पर 10 दिन के भीतर सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश भी दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि अनिल अंबानी और एडीएजी को याचिकाकर्ता तथा पूर्व केंद्रीय सचिव ई ए एस शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका के नोटिस पहले ही तामील किए जा चुके हैं। पीठ ने पिछले साल 18 नवंबर को जनहित याचिका पर केंद्र सरकार, सीबीआई, ईडी, अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस जारी किए थे। न्यायालय ने कहा कि अनिल अंबानी और एडीएजी को पेश होने और मामले में अपना जवाब दाखिल करने का यह आखिरी मौका है। बंबई उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस तामील कराने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद पीठ ने याचिका पर 10 दिन बाद सुनवाई तय की। पीठ ने इससे पहले याचिकाकर्ता शर्मा की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण द्वारा दिए गए निवेदनों पर ध्यान दिया और दोनों पक्षों से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। जनहित याचिका पर आगे की सुनवाई तीन सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी थी। भूषण ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियां इस बड़े बैंकिंग घोटाले में बैंकों और उनके अधिकारियों की कथित संलिप्तता की जांच नहीं कर रही हैं। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इस मामले में बैंकों तथा उनके अधिकारियों के खिलाफ जारी जांच की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। भूषण ने कहा कि यह मामला '' संभवतः भारत के इतिहास की सबसे बड़ी कॉर्पोरेट धोखाधड़ी'' है।

मिजोरम ने दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए एनडीडीबी से मिलाया हाथ

आइजोल। मिजोरम में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए मिजोरम मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड (एमयूएलसीओ) ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक समझौता किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिजोरम के दुग्ध क्षेत्र को संरचित और प्रौद्योगिकी-आधारित बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मुख्यमंत्री लालदुहोमा और राज्य के सहकारिता मंत्री पीसी वनलालरुआता की उपस्थिति में बृहस्पतिवार को हस्ताक्षर किया गया। समझौता ज्ञापन पर राज्य के सहकारिता सचिव उदित राय प्रकाश, एनडीडीबी के कार्यकारी निदेशक एस. राजीव और एमयूएलसीओ की प्रबंध निदेशक लालह्मुनलियानी ने हस्ताक्षर किए। अधिकारियों के अनुसार, यह समझौता सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख योजना 'श्वेत क्रांति 2.0' के अनुरूप मिजोरम में दुग्ध विकास प्रयासों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौते के तहत एनडीडीबी, 'श्वेत क्रांति 2.0' के लक्ष्यों के अनुरूप मिजोरम के लिए एक व्यापक दुग्ध विकास योजना तैयार करेगा।

साथ ही सभी आवश्यक क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी सहयोग और सहायता प्रदान करेगा जबकि राज्य में योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी एमयूएलसीओ की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता मिजोरम में दूध उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पशुपालक किसानों की आजीविका एवं आय में सुधार करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि मिजो समुदाय पारंपरिक रूप से पशुपालन से जुड़ा रहा है और राज्य में पशुपालन के लिए उपयुक्त भूमि संसाधन उपलब्ध हैं।

'आज 'बॉर्डर 2 का दिन, न कोई चिंता, न कोई तनाव', मस्ती के मूड में नजर आएं सनी देओल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' आखिरकार शुक्रवार को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म की रिलीज के मौके पर सनी देओल आत्मविश्वास से भरे नजर आए। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया और कहा कि अब कोई चिंता नहीं, कोई दबाव नहीं, बस दर्शकों के साथ मिलकर इस फिल्म का आनंद लेने का समय है। फिल्म के रिलीज होते ही सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में फिल्म के पर्दे के पीछे की मस्ती, शूटिंग के पल और फिल्म के कुछ दमदार सीन्स शामिल हैं। फिल्म के सेट पर सनी छोले भटूरे का लुत्फ उठाते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का मशहूर गीत 'तारा रम पम पम' का इस्तेमाल किया गया है। इस पोस्ट ने दर्शकों के अंदर पुरानी 'बॉर्डर' फिल्म की यादें ताजा कर दीं हैं। सनी देओल ने अपने पोस्ट में लिखा कि आज 'बॉर्डर 2' का दिन है, न कोई चिंता है और न ही कोई तनाव, बस आराम करें और सब मिलकर फिल्म का आनंद लें। 'बॉर्डर 2' 'बॉर्डर 2' 1997 में आई जे.पी. दत्ता की क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। नई फिल्म भी उसी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इसे नए दौर की कहानी और भावनाओं के साथ पेश किया जा रहा है। फिल्म में सनी देओल सिपाही फतेह सिंह कलेर के किरदार में हैं। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'बॉर्डर 2' के निर्माता गुलशन कुमार और टी-सीरीज हैं। फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, जबकि भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी. दत्ता, और निधि दत्ता इसके निर्माण में शामिल हैं। फिल्म को बिना किसी कट के यूए 13 प्लस के सर्टिफिकेट के साथ रिलीज किया गया है।

नीलम कोठारी और समीर सोनी की शादी के 15 साल पूरे

तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने शेयर की पोस्ट

मुंबई। 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री नीलम कोठारी ने साल 2011 में अभिनेता समीर सोनी के साथ शादी की थी। शुक्रवार को यह कपल अपनी शादी की सालगिरह मना रहा है। इस मौके पर अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसमें उनकी शादी के दिनों की तस्वीरें, समीर के साथ बिताए यादगार लम्हे और फैमिली के साथ यादें शामिल हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, "15 साल और आगे भी जारी३ क्या शानदार सफर रहा है। सालगिरह मुबारक हो हनी।" फैंस को नीलम का यह पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं, तो कई यूजर्स बधाई के पुल बांध रहे हैं। समीर सोनी के साथ नीलम की यह दूसरी शादी है। दरअसल, अभिनेत्री ने साल 2000 में यूके बेस्ड बिजनेसमैन ऋषि सेठिया से शादी की थी। हालांकि, यह शादी ज्यादा दिनों तक चली नहीं थी और कुछ समय के बाद दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद अभिनेत्री ने 2011 में समीर सोनी से शादी की और 2013 में उन्होंने एक बेटी, अहाना, को गोद लिया था, जो उनकी जिंदगी का सबसे खूबसूरत हिस्सा है। नीलम अपने समय की पॉपुलर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने फिल्म 'हम साथ साथ हैं,' 'दिल है कि मानता नहीं,' समेत कई फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री होने के साथ ही नीलम मशहूर ज्वेलरी डिजाइनर भी हैं। हाल ही में उन्होंने अपना ब्रांड शुरू किया है। हाल ही में वे नेटफ्लिक्स के पॉपुलर रियलिटी शो 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' में नजर आईं थीं।

फिल्म दो दीवाने सहर में का गाना 'आसमा' रिलीज

मुंबई। फिल्म फिल्म दो दीवाने सहर में का गाना 'आसमा' रिलीज हो गया है। जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस की फिल्म दो दीवाने सहर में का खूबसूरत टीज़र पहले ही दर्शकों के दिलों को जीत चुका है। जहाँ टीज़र ने इस यूनिक रोमांस का टोन खूबसूरती से सेट किया, वहीं अब मेकर्स ने इसका पहला गाना 'आसमा' रिलीज़ किया है, जिसमें मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की क्यूट केमिस्ट्री भी नजर आती है। मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की केमिस्ट्री बहुत ही नेचुरल लगती है, जो गाने में सच्चापन और कनेक्ट होने वाला चार्म जोड़ देती है।जुबिन नौटियाल और नीति मोहन की खूबसूरत आवाज़ के साथ 'आसमा' सीधे दिल को छू जाता है। हेशम अब्दुल वहाब की खूबसूरत कंपोजिशन गाने के रोमांटिक जज़्बे को और बढ़ा देती है, वहीं अभिरुचि चंद के भावपूर्ण लिरिक्स इसे ऐसे गाने में बदल देते हैं जो लंबे समय तक याद रहता है और इस सीज़न का फ्रेश और नया साउंड ऑफ लव साबित होता है। फिल्म दो दीवाने शहर में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी लीड रोल में हैं। इस फिल्म का निर्देशन रवि उद्यवार ने किया है।

फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी की कहानी तुरंत जुड़ाव पैदा करती है : रमित ठाकुर

मुंबई। फिल्मकार रमित ठाकुर का कहना है कि फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी की कहानी तुरंत जुड़ाव पैदा करती है। एक ऐसे उद्योग में जहाँ अक्सर शोरगुल भरी सफलता, शांत मेहनत को पीछे छोड़ देती है, रमित ठाकुर एक ऐसे फिल्मकार के रूप में उभरते हैं जो मानते हैं कि सिनेमा की शुरुआत और अंत केवल सच्चाई से होता है। उनके लिए फिल्म सिर्फ एक व्यावसायिक उत्पाद नहीं, बल्कि एक जीवंत भावना है, जो हर स्तर पर ईमानदारी की मांग करती है। यही सोच दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी में पूरी ताकत के साथ दिखाई दी।एक ऐसी फिल्म जिसने अपने निर्माताओं को उतना ही चुना, जितना उन्होंने इसे। को-प्रोड्यूसर और इस प्रोजेक्ट की रीढ़ के रूप में रमित ठाकुर की भूमिका सिर्फ फाइनेंस या लॉजिस्टिक्स तक सीमित नहीं थी। उन्होंने फिल्म की आत्मा की रक्षा को अपनी जिम्मेदारी बनाया, साथ ही उसे एक मजबूत सिनेमाई अनुभव में ढालने का काम भी किया। स्टार कास्ट के चयन से लेकर बेहतरीन तकनीशियनों और क्रिएटिव टीम को साथ लाने तक, उनका फोकस हमेशा एक बात पर रहा,सामंजस्य। यह सुनिश्चित करना कि फिल्म से जुड़ा हर व्यक्ति कहानी की धड़कन पर विश्वास करे। रमित ठाकुर ने कहा, मेरे लिए सिनेमा हमेशा एक ऐसी कहानी से शुरू होता है जिसमें ईमानदारी और भावना हो। दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी ने हमें उसी पल चुन लिया था, जब हमने इसकी कहानी सुनी। इसमें सादगी, अपनापन और एक ऐसी आत्मा थी जो तुरंत जुड़ाव पैदा करती है।